भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, श्योपुर, भिण्ड , आगरा (उ.प्र.) एवं धौलपुर (राजस्थान) से एक साथ प्रसारित

सच टाइम्स

DAINIK SACH TIMES

वर्ष 18 अंक 116 | मुरैना, मंगलवार 4 अगस्त 2026 | पृष्ठ - 8 मूल्य 1.50 ₹

दतिया विस उपचुनाव: कांग्रेस के घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 मतों से हराया

दतिया, 03 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश की चर्चित दतिया विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव की सोमवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मतगणना संपन्न हुई। इस उपचुनाव में कांग्रेस उम्मीदवार घनश्याम सिंह ने भाजपा के आशुतोष तिवारी को 6,016 वोटों से हरा दिया है।

जिला निर्वाचन कार्यालय के अनुसार कांग्रेस के घनश्याम सिंह को 66,757 (42.39 फीसदी) वोट प्राप्त हुए और जीत हासिल की, जबकि भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 60,741 (38.57 फीसदी) वोट हासिल किए। वहीं, तीसरे स्थान पर रहे आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के दामोदर यादव 'मण्डल' को 22,527 वोट प्राप्त किए।

इसके अलावा धर्मेन्द्र सिंह पंवार (राइट टु रिकॉल पार्टी)- 957 वोट, जितेन्द्र माझी (आपका गणतंत्र पार्टी)- 927, रामसिंह कुशवाह (राष्ट्रीय समानता दल)- 324,

बालकिशुन विश्वकर्मा (परिवर्तन पार्टी ऑफ इंडिया)-204, शुभम राजपूत(भारतीय सभ्यता पार्टी)-163, डॉ. राखी बाला (राष्ट्रीय समाधान जनमोर्चा)-144, संजना सिंह किन्नर (भारतीय गण वार्ता पार्टी) - 141 और हरदास कुशवाहा (भीम सेना) को 112 वोट मिले। इनके अलावा निर्दलीयों में राघवेन्द्र सिंह-727, बाबूलाल सोनी-691, देवेश परिहार निमोना-642, रोहित गुप्ता, 585, ब्रजेन्द्र शाह (बापा साहब)-384, वेद भैया- 219, सुरेश अहिरवार-219, एडवोकेट हँसमुखी लोधी-204, धर्मेन्द्र सिंह- 196, कन्छेदीलाल कुशवाहा-179 और नोटा को 455 मत हासिल हुए।

दतिया कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी स्वप्निल वानखेड़े ने विधानसभा उपचुनाव की मतगणना शांतिपूर्ण और पारदर्शी तरीके से संपन्न होने की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पूरे मतगणना प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा और निर्वाचन आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का पालन किया गया। मतगणना शांतिपूर्ण माहौल में पूरी हुई। किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति सामने नहीं आई। उन्होंने सभी मतदान कर्मियों, सुरक्षा बलों और संबंधित विभागों के सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

युवाओं की भागीदारी से 9 अगस्त को निकलेगी भव्य तिरंगा यात्रा: मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि अगस्त आज़ादी का पर्व मनाने का महीना है। हम सब हर्षोल्लास से स्वतंत्रता दिवस मनाएं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त को अगस्त क्रांति दिवस मनाया जाए। इस दिन भोपाल में नागरिकों और युवाओं के सहयोग से भव्य तिरंगा यात्रा निकाली जाए। यह तिरंगा यात्रा समाज में अपनी आज़ादी को अक्षुण्ण बनाए रखने की प्रेरणा सहित देशभक्ति की भावना के प्रसार का माध्यम बनेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को राज्य शूटिंग अकादमी में खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं और विभागीय मैदानी गतिविधियों की समीक्षा की। बैठक में खेल एवं युवा कल्याण एवं सहकारिता मंत्री श्री विश्वास सारंग, मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा, मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. सुदाम खाड़े, सचिव खेल श्री संजीव सिंह, संचालक खेल श्री अंशुमन यादव सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बैठक में कहा कि हमारे खिलाड़ी अपनी प्रतिभा और कौशल से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं में मध्यप्रदेश का नाम रोशन कर रहे हैं। खिलाड़ियों के पोषण, प्रशिक्षण एवं उनके कौशल सुधार पर विशेष ध्यान दिया जाए। खिलाड़ियों के प्रशिक्षण में नवीन तकनीकों को अपनाया जाये।

ओलम्पिक, एशियाड और राष्ट्रीय स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन दिया जाए। उन्होंने कहा कि ओलिंपिक और अंतर्राष्ट्रीय खेलो में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के प्रोत्साहन और पुरस्कार नियमों का जल्द से जल्द निर्धारण किया जाए, ऐसे खिलाड़ियों को शासकीय सेवा में नियुक्त करने और प्रोत्साहन राशि देने जैसे सभी प्रबंध किए जाएं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में मल्लखंभ और जिम्नास्टिक एकेडमी जल्द से जल्द प्रारंभ की जाए, जिससे इन दोनों खेलों के खिलाड़ियों को एक स्थान पर सभी जरूरी सुविधाएं मिल सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश के सभी सांदीपनि विद्यालयों में पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। इन सांदीपनि विद्यालयों के पास ही खेल विभाग द्वारा खेल परिसर विकसित करने की संभावनाओं पर गंभीरता से प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि खेल के लिए खिलाड़ी स्कूल और कॉलेजेस में ही उपलब्ध होते हैं। खेल एवं युवा कल्याण विभाग, स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, जनजातीय कार्य विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग और युवा आयोग सांदीपनि विद्यालयों में खेल परिसरों के निर्माण के लिए मिलकर काम करें। विभिन्न विभागों द्वारा अपने-अपने स्तर पर की जा रही खेल गतिविधियों और खेल अधोसंरचनाओं के विकास कार्यों को खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा ही संचालित करने के लिये विभागीय अधिकारी एक्शन प्लान तैयार करें। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सभी स्थानों में प्रस्तावित और निर्माणाधीन खेल परिसरों में हेलीपैड की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में खेल सुविधाओं के विस्तार के लिए राज्य के अधिकारी, केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों से लगातार समन्वय करें और खेल विकास मद में अधिकाधिक सेंट्रल ग्रांट प्राप्त करें।

राहुल गांधी ने छात्रों से की, प्रयागराज के कार्यक्रम में शामिल होने की अपील

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में 8 अगस्त को आयोजित होने वाले %छात्रों की गूंज% कार्यक्रम में शामिल होने की अपील करते हुए आज कहा कि पेपर लीक, रुकी हुई भर्तियों और छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई जैसे मुद्दों पर कांग्रेस युवाओं की आवाज उठाना और उन्हें न्याय दिलाने का संघर्ष जारी रखेगी।

राहुल गांधी ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा, %जॉब नहीं मिलेगा, तो सिंहासन हिलेगा।% कोटा और देहरादून के बाद अब %छात्रों की गूंज% प्रयागराज पहुंच रही है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज वह शहर है, जहां लाखों युवा वर्षों से विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं। वे आवेदन पत्र भरते हैं, परीक्षा शुल्क जमा करते हैं और लंबे समय तक भर्ती प्रक्रिया पूरी होने का इंतजार करते रहते हैं।

राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं ने युवाओं का वर्तमान छीन लिया है, जबकि लंबित भर्तियों ने उनके भविष्य को प्रभावित किया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि हाल में दिल्ली में अपने अधिकारों की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया और पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया था। राहुल गांधी ने छात्रों और युवाओं से 8 अगस्त को प्रयागराज में आयोजित %छात्रों की गूंज% कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की।

बांकीपुर उपचुनाव में प्रशांत किशोर ने भाजपा प्रत्याशी को 19,324 मतों से हराया

पटना, 03 अगस्त (हि.स.)। बिहार की चर्चित बांकीपुर विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव में जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने ऐतिहासिक जीत दर्ज करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 19,324 मतों के अंतर से पराजित किया। इस जीत के साथ प्रशांत किशोर ने सक्रिय चुनावी राजनीति में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है।

अंतिम परिणाम के अनुसार, प्रशांत किशोर को कुल 64,151 मत प्राप्त हुए। भाजपा के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा को 44,827 मत मिले, जबकि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की उम्मीदवार रेखा गुप्ता 14,273 मतों के साथ तीसरे स्थान पर रहीं। इसके अलावा 646 मतदाताओं ने %नोटा% (उपरोक्त में से कोई नहीं) का विकल्प चुना।

चुनाव परिणाम घोषित होते ही जन सुराज के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में उत्साह का माहौल देखने को मिला। विभिन्न स्थानों पर समर्थकों ने मिठाइयां बांटी, एक-दूसरे को बधाई दी और जीत का जश्न मनाया।

सोमवार सुबह शुरू हुई मतगणना के शुरुआती दौर से ही प्रशांत किशोर बढ़त बनाए हुए थे। मतगणना के प्रत्येक चरण के साथ उनकी बढ़त लगातार बढ़ती गई और अंत तक कायम रही। भारत निर्वाचन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जारी आंकड़ों के अनुसार, मतगणना कुल 32 चरणों में संपन्न हुई और सभी चरणों में प्रशांत किशोर अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रहे और अंततः जीत दर्ज की।

ई20 पेट्रोल पर सरकार के जवाब से नए सवाल खड़े हुए : जयराम रमेश

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने ई20 पेट्रोल को लेकर केंद्र सरकार के रुख पर सवाल उठाते हुए कहा कि 29 जुलाई को संसद में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी द्वारा दिए गए जवाब से जितने सवालों के उत्तर मिले, उससे कहीं अधिक नए सवाल खड़े हो गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार एक ओर ई20 को पूरी तरह सुरक्षित बता रही है, जबकि दूसरी ओर उपभोक्ताओं के अनुभव और विभिन्न तकनीकी दस्तावेज कई अहम चिंताएं सामने रखते हैं।

जयराम रमेश ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि नितिन गडकरी ने संसद में कहा था कि ई20 ईंधन को वर्षों के वैज्ञानिक परीक्षण के बाद लागू किया गया है और इससे वाहनों को व्यापक स्तर पर नुकसान पहुंचने का कोई प्रमाण नहीं है, लेकिन पिछले कई महीनों से देशभर के वाहन मालिक और मैकेनिक माइलेज में कमी, इंजन के प्रदर्शन में गिरावट, 2023 से पहले बने वाहनों की ई20 के साथ अनुकूलता, कोल्ड-स्टार्ट की समस्या, इंजन के तेजी से घिसने, फ्यूल इंजेक्टर जाम होने, फ्यूल लाइन में जंग लगने तथा रबर के पुर्जों में दरार आने जैसी शिकायतें लगातार उठा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जून 2026 में 2023 से पहले बने पेट्रोल वाहनों के 44 हजार से अधिक मालिकों पर किए गए एक स्वतंत्र सर्वेक्षण में बड़ी संख्या में लोगों ने ई20 लागू होने के बाद अपने वाहनों पर प्रतिकूल प्रभाव महसूस होने की बात कही है।

उन्होंने दावा किया कि सितंबर 2025 में पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बायोफ्यूल से वाहनों को नुकसान पहुंचने संबंधी शिकायतों को पूरी तरह खारिज कर दिया था। इसके बावजूद जुलाई 2026 की ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) की रिपोर्ट और नीति आयोग के 2021 के एथेनॉल पॉलिसी रोडमैप में ई20 के उपयोग से जुड़े कुछ तकनीकी प्रभावों का उल्लेख किया गया है। इन दस्तावेजों में ई10 के लिए डिजाइन किए गए वाहनों में रबर के पुर्जों के तेजी से खराब होने, फ्यूल टैंक और अन्य धातु के हिस्सों में जंग लगने तथा कुछ श्रेणी के वाहनों में ईंधन दक्षता कम होने जैसी बातों का जिक्र है।

जयराम ने कहा कि ई20 को लेकर लोगों में जवाबदेही और पारदर्शिता की मांग बढ़ रही है। सरकार को इस विषय पर उपलब्ध सभी वैज्ञानिक अध्ययन और आंकड़े सार्वजनिक करने चाहिए, ताकि उपभोक्ताओं की आशंकाओं का तथ्यात्मक आधार पर समाधान हो सके।

प्रधानमंत्री का वीडियो हटाने पर संसदीय समिति ने मेटा से कहा- 'माफी काफी नहीं, जवाबदेही तय हो'

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। संसद की सूचना प्रौद्योगिकी संबंधी स्थायी समिति ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने के मामले में मेटा के अधिकारियों से जवाब तलब किया। समिति के कई सदस्यों ने केवल माफी को पर्याप्त नहीं माना और जवाबदेही तय कर जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की।

सूत्रों के अनुसार समिति की बैठक में प्रधानमंत्री मोदी का वीडियो हटाए जाने का मुद्दा प्रमुखता से उठा। कई सांसदों ने इस घटना पर कड़ी आपत्ति जताई और मेटा के कामकाज पर सवाल उठाए। वहीं, मेटा के अधिकारियों ने समिति को बताया कि वीडियो तकनीकी गलती के कारण हटा था और इसके लिए कंपनी ने माफी व्यक्त की।

हालांकि अधिकांश सदस्यों ने कहा कि केवल माफी मांगना पर्याप्त नहीं है। उन्होंने चूक के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की पहचान करने और उनके विरुद्ध उचित कानूनी कार्रवाई करने की मांग की।

सदस्यों ने कहा कि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होनी चाहिए और इसके लिए प्रभावी जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। बैठक में सोशल मीडिया मंचों की जवाबदेही तथा उनकी सामग्री निगरानी व्यवस्था पर भी चर्चा हुई।

समिति ने मेटा से पूरे घटनाक्रम का विस्तृत स्पष्टीकरण मांगा और विवादास्पद तथा आपत्तिजनक सामग्री के विरुद्ध अपनाई जा रही प्रक्रिया की भी जानकारी ली। सूत्रों के अनुसार, मामले को गंभीर मानते हुए समिति में कड़ी कार्रवाई की आवश्यकता पर जोर दिया गया।

उल्लेखनीय है कि 28 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक फेसबुक पृष्ठ पर साझा किया गया एक वीडियो कुछ समय के लिए उपलब्ध नहीं था। उस दौरान उपयोगकर्ताओं को यह संदेश दिखाई दिया था कि वीडियो भारत में 'कानूनी अनुरोध' के कारण उपलब्ध नहीं है। बाद में मेटा ने वीडियो बहाल करते हुए स्पष्ट किया कि यह घटना आंतरिक तकनीकी त्रुटि का परिणाम थी, न कि किसी सरकारी अनुरोध या कंपनी की सामग्री नीति के तहत की गई कार्रवाई।

राज्यसभा में विपक्ष के हंगामे के बीच ध्वनिमत से एमएसएमई संशोधन विधेयक 2026 पारित

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। सोमवार को राज्यसभा में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) विकास (संशोधन) विधेयक, 2026 को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। इस संशोधन का मुख्य उद्देश्य भुगतान प्रणाली को अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनाना, नियमों के अनुपालन को सरल करना और व्यवसाय करने की प्रक्रिया को अधिक भरोसा-आधारित बनाना है, जिससे उद्यमियों पर अनावश्यक प्रशासनिक बोझ कम हो सके। इसके तहत सूक्ष्म और लघु उद्यमों को मिलने वाले भुगतान में देरी की समस्या को कम करने के लिए प्रभावी व्यवस्था की जाएगी। साथ ही, उनके पक्ष में दिए गए मध्यस्थता निर्णयों को लागू कराने की प्रक्रिया को भी सरल और तेज बनाया जाएगा, ताकि उद्यमियों को न्याय मिलने में देरी न हो।

दोपहर 2 बजे सदन की कार्यवाही दोबारा शुरू होने पर उपसभापति हरिवंश नारायण सिंह ने केंद्रीय एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी को विधेयक पर चर्चा शुरू करने के लिए कहा। चर्चा शुरू होते ही विपक्ष ने नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पहले नियम 267 के तहत बोलने की अनुमति देने की मांग की। उपसभापति ने शुरुआत में यह कहते हुए अनुमति नहीं दी कि इस संबंध में सभापति पहले ही निर्णय दे चुके हैं। हालांकि लगातार हंगामे के बाद खरगे को बोलने का मौका दिया गया।

खड़गे ने अपनी बात रखते हुए राम जन्मभूमि

का उल्लेख करना शुरू किया। इससे पहले कि वह अपनी बात पूरी कर पाते, सदन के नेता जेपी नड्डा ने हस्तक्षेप करते हुए कहा कि मंत्री चर्चा शुरू कर चुके हैं और अब उसी पर आगे बढ़ना चाहिए।

इसके बाद कांग्रेस सांसद अजय माकन ने कहा कि अपने लंबे संसदीय अनुभव में उन्होंने पहली बार देखा है कि नेता प्रतिपक्ष को बोलने का अवसर नहीं दिया जा रहा। जब उन्होंने विधेयक की चर्चा को छात्रों के साथ कथित पुलिस कार्रवाई से जोड़ने की कोशिश की तो उपसभापति ने स्पष्ट किया कि विधेयक से असंबंधित टिप्पणियां कार्यवाही का हिस्सा नहीं बनेंगी। नड्डा ने माकन की टिप्पणियों को रिकॉर्ड से हटाने की मांग की। दोबारा अवसर मिलने पर माकन ने कहा कि वह विधेयक पर ही बोलेंगे, लेकिन गृह मंत्री की अनुपस्थिति का मुद्दा भी उठाया।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने कहा कि सदस्य को तीन अवसर दिए गए, लेकिन उन्होंने विषय पर चर्चा नहीं की। इसके बाद विपक्षी सांसदों ने ÷गृह मंत्री सदन में आओ÷ के नारे लगाने शुरू कर दिए।

सीपीआई(एम) सांसद जॉन ब्रिटास सहित कई सदस्यों ने नियम 258 के तहत व्यवस्था का प्रश्न उठाया। उपसभापति ने कहा कि लगातार हंगामे के बीच व्यवस्था का प्रश्न नहीं उठाया जा सकता, फिर भी उन्होंने ब्रिटास को बोलने का अवसर दिया। हालांकि गृह मंत्री की मौजूदगी की मांग उठाते ही उन्हें बीच में रोक दिया गया।

हंगामे के बावजूद कई सांसदों ने विधेयक पर अपने विचार रखे। इनमें डॉ. संत्रुप्त मिश्रा (बीजद), गोल्ला बाबूराव (वाईएसआरसीपी), एम. थंबीदुरई (एआईएडीएमके), राजेंद्र हीरालाल जैन (एनसीपी), मस्तान राव यादव बीधा (तेदेपा), रविचंद्र वड्डीराजू (बीआरएस), प्रमोद बोरो (यूपीपीएल), संजय सेठ (भाजपा) और रामजी (बसपा) शामिल रहे।

केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री जीतन राम मांझी ने चर्चा के बाद विधेयक पर अपना जवाब देते हुए कहा कि यह संशोधन देश के एमएसएमई क्षेत्र की संरचनात्मक समस्याओं को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने बताया कि विधेयक का उद्देश्य समय पर भुगतान सुनिश्चित करना, नियमों के अनुपालन को सरल बनाना, भुगतान विवादों के निपटारे को तेज करना और राज्यों को माइक्रो एंड स्मॉल एंटरप्राइजेज फैसिलिटेशन काउंसिल के गठन में अधिक लचीलापन देना है।

संशोधन लागू होने के बाद एमएसएमई क्षेत्र में भुगतान अनुशासन मजबूत होगा, विवादों का तेजी से समाधान होगा और कारोबार के लिए अधिक अनुकूल वातावरण तैयार होगा। उन्होंने कहा कि राज्यों को यह अधिकार भी मिलेगा कि वे आवश्यकता के अनुसार अधिक परिषदों का गठन कर सकें, जिससे विवादों का निपटारा स्थानीय स्तर पर तेजी से हो सके।

सरकार का कहना है कि यह संशोधन लागू होने के बाद एमएसएमई क्षेत्र में भुगतान अनुशासन में सुधार, विवादों के त्वरित समाधान और निवेश व कारोबार के लिए बेहतर माहौल तैयार होगा। इससे देश के रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को भी मजबूती मिलने की उम्मीद है, क्योंकि एमएसएमई क्षेत्र भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। लगातार नारेबाजी और विपक्ष के विरोध के बीच अंततः विधेयक ध्वनिमत से पारित कर दिया गया।

स्वामी एवं प्रकाशक रविन्द्र सिंह नवरंग द्वारा वनखंडी रोड़ हरीराज टॉकीज के पीछे, शिवनगर मुरैना (मध्यप्रदेश) से प्रकाशित एवं मुद्रक नवीन बंसल द्वारा बंसल ऑफसेट रामजानकी मंदिर के पास, जीवाजीगंज मुरैना से मुद्रित, स्थानीय संपादक- धर्मेंद्र सिंह ''सीताराम जी '', मुरैना, मोबाइल 6261839476
RNI No. MPHIN/2009/45558 फोन 07532-232387 मोवा- 9425334744 तथा सभी विवादों को न्याय क्षेत्र मुरैना ही होगा। डाक पंजीयन चंबल क्रमांक जी-13-2/163/RNP/2025-27, email : sachtimes101@gmail.com

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की तैयारियां समय पर करें : कलेक्टर

- सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और समय सीमा पत्रकों की हुई समीक्षा

निज संवाददाता

भिण्ड। सीएम हेल्पलाइन शिकायतों और समय सीमा पत्रकों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान की तैयारियों के सम्बन्ध में अधिकारियों को विस्तृत निर्देश दिए।

कलेक्टर किरोड़ीलाल मीणा ने बताया कि जिले में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान 7 अगस्त को गोरमी से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें सभी विभागों को गंभीरता से योगदान देना है। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान क्षेत्र की सीएम हेल्पलाइन और अन्य शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जाना है, जिसकी तैयारी के लिए जिला अधिकारी क्षेत्र का शिविर-पूर्व भ्रमण करें और ब्लॉक स्तरीय अमले के साथ शिविर पूर्व ही समस्याओं के निराकरण का प्रयास करें।

उन्होंने कहा कि अभियान के दौरान क्षेत्र की शासकीय संपत्तियों जैसे पंचायत भवन, विद्यालय, स्वास्थ्य केन्द्र, राशन दुकान, सड़क, नाली, ट्रांसफार्मर, इत्यादि की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए समस्त विभागों को चेकलिस्ट तैयार करें, जिससे निरीक्षणकर्ता अधिकारियों द्वारा व्यापक मूल्यांकन किया जा सके। उन्होंने कहा कि अभियान के माध्यम से शासकीय योजनाओं के पात्र परन्तु वंचित हितग्राहियों को लाभान्वित किया जाना है तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की भी समीक्षा किया जाना है। उन्होंने कहा कि नागरिकों को समग्र, ई-केवाईसी, फार्मर आईडी, जन्म, मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाने में आ रही समस्याओं का भी निराकरण किया जाना है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनविश्वास अभियान के दौरान मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, विभागों के भारसाधक सचिवों का भी जिले में दौरा संभावित है इसलिए सभी विभाग गंभीरता से कार्य करें।

कलेक्टर ने कहा कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के लिए सभी विभाग समय से तैयारी करें और सौंपे गए दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने निर्देश दिए कि कार्यक्रम स्थल पर मानसून के अनुरूप टेंट, मुरम इत्यादि की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि विभाग प्रमुख अपने अधीनस्थ कर्मचारियों के उत्कृष्ट कार्यों के सम्मान के लिए जिला पंचायत को एक सप्ताह के भीतर सूची प्रेषित करें। उन्होंने बताया कि हर घर तिरंगा अभियान 9 से 15 अगस्त तक मनाया जाएगा, जिसके लिए एनआरएलएम ने 13 हजार से अधिक झंडे तैयार किए हैं, जिसे शासकीय कार्यालय आवश्यकतानुसार क्रय कर सकते हैं।

इसके पूर्व अपर कलेक्टर एलके पाण्डेय ने बताया कि जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन 15 अगस्त को सुबह 9 बजे पुलिस लाइन में किया जाएगा, जिसका पूर्वाभ्यास 14 अगस्त को रखा गया है। उन्होंने कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में विभागों को सौंपे गए दायित्व की जानकारी दी।

कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन शिकायतों की विभागवार समीक्षा कर निर्देश दिए कि 50 दिवस से अधिक लंबित शिकायतों को माह की 20 तारीख तक निराकरण करना है और ग्रेडिंग माह की शिकायतों के निराकरण की गति बढ़ानी है। कलेक्टर ने समय सीमा पत्रकों की विस्तृत समीक्षा कर निर्देश दिए कि वांछित कार्रवाई 7 से 10 दिवस में पूर्ण कर विलोपित किए जाने वाले प्रकरण टीएल शाखा में भेजे जाएं। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय के लंबित प्रकरणों में जवाब-दावा प्रस्तुत कर पालन प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। बैठक में महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य, सामाजिक न्याय, ऊर्जा, श्रम, कृषक कल्याण, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, उच्च शिक्षा, जनजातीय कार्य, खाद्य, आबकारी, पशुपालन, इत्यादि के अधिकारी उपस्थित थे जबकि अन्य अधिकारी वीसी के माध्यम से जुड़े थे।

जन शिक्षण संस्थान भिण्ड एवं SEBI के संयुक्त तत्वावधान में (वित्तीय साक्षरता एवं वित्तीय जागरूकता) क्षमता संवर्धन कार्यक्रम सम्पन्न

निज संवाददाता

भिण्ड। आज दिनांक 03/08/2026 को कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मत्रांलय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित जन शिक्षण संस्थान भिण्ड द्वारा कौशल विकास एवं संस्थागत सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय क्षमता संवर्धन (capacity Building) कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम में SEBI INSTRUCTOR श्री आलोक कुमार ने मुख्य वक्ता के रूप में सहभागिता करते हुए प्रतिभागियों को प्रभावी नेतृत्व, संस्थागत विकास, सामुदायिक सहभागिता तथा गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण के विभिन्न आयामों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी प्रतिभागियों ने ज्ञान, कौशल एवं आत्मनिर्भरता के प्रतीक माँ सरस्वती का स्मरण करते हुए कार्यक्रम की सफल एवं सार्थक शुरुआत की। दीप प्रज्वलन के माध्यम से ज्ञान के प्रकाश, सकारात्मक सोच एवं सतत् सीखने की भावना का संदेश दिया गया। कार्यक्रम का वातावरण उत्साह, अनुशासन एवं प्रेरणा से परिपूर्ण रहा, जहाँ सभी प्रतिभागियों ने कौशल विकास एवं क्षमता संवर्धन के उद्देश्यों को सफल बनाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी संतोश कुमार दुबे, श्री योगेन्द्र सिंह तोमर, प्रशिक्षण केन्द्रों के प्रशिक्षिका श्रीमती मिथलेश सोनी, श्रीमती सविता श्रीवास, श्रीमती रानी अहिरवार, विभिन्न हितधारकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रशिक्षण प्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना, प्रशिक्षकों की दक्षता बढ़ाना तथा कौशल विकास कार्यक्रमों को स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप सुदृढ़ करना था। मुख्य अतिथि श्री आलोक कुमार ने कहा कि किसी भी संस्था की सफलता केवल संसाधनों पर नहीं, बल्कि उसकी कार्यशैली, प्रशिक्षित मानव संसाधन और निरंतर सीखने की संस्कृति पर निर्भर करती है। उन्होंने बताया कि क्षमता संवर्धन केवल प्रशिक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, टीमवर्क, समस्या समाधान, नवाचार और प्रभावी संवाद कौशल का भी महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने प्रतिभागियों को प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आधुनिक शिक्षण पद्धतियों, डिजिटल तकनीकों और व्यवहारिक अभ्यासों को शामिल करने की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रशिक्षक को अपने प्रशिक्षण को रोजगारोन्मुख, परिणाम आधारित तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना चाहिए, जिससे प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं और महिलाओं को स्वरोजगार एवं रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। कार्यक्रम के दौरान समूह चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र तथा व्यवहारिक गतिविधियों का भी आयोजन किया गया। प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण संचालन, समुदाय से जुड़ाव, प्रशिक्षण की गुणवत्ता, प्रशिक्षण उपरांत फॉलोअप, उद्यमिता विकास तथा आजीविका संवर्धन से संबंधित अनेक प्रश्न पूछे, जिनका श्री आलोक कुमार ने सरल एवं व्यवहारिक उदाहरणों के माध्यम से समाधान प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रशिक्षण केन्द्रों को सुझाव दिया कि वे स्थानीय उद्योगों, स्वयं सहायता समूहों, कृषि विज्ञान केन्द्रों, जिला प्रशासन तथा अन्य विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर प्रशिक्षण कार्यक्रमों को अधिक प्रभावशाली बनाएं। इससे प्रशिक्षार्थियों को बाज़ार आधारित कौशल, रोजगार के अवसर तथा उद्यमिता के लिए बेहतर मार्गदर्शन प्राप्त होगा। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि क्षमता संवर्धन का मुख्य उद्देश्य केवल ज्ञान प्रदान करना नहीं, बल्कि प्रतिभागियों में आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और नवाचार की भावना विकसित करना है। जब प्रशिक्षक स्वयं दक्ष होंगे, तभी वे प्रशिक्षार्थियों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान कर सकेंगे और कौशल विकास योजनाओं के उद्देश्य सफलतापूर्वक पूरे हो सकेंगे। कार्यक्रम के समापन अवसर पर जन शिक्षण संस्थान भिण्ड के निदेशक श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा ने मुख्य वक्ता श्री आलोक कुमार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे क्षमता संवर्धन कार्यक्रम संस्थान की कार्यक्षमता बढ़ाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि जन शिक्षण संस्थान भिण्ड निरंतर गुणवत्तापूर्ण कौशल विकास, उद्यमिता संवर्धन तथा समाज के कमजोर एवं वंचित वर्गों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से अपील की कि वे कार्यक्रम में प्राप्त ज्ञान एवं अनुभव का उपयोग अपने-अपने प्रशिक्षण केन्द्रों पर प्रभावी ढंग से करें, ताकि अधिक से अधिक युवाओं, महिलाओं एवं ग्रामीण समुदाय को कौशल विकास का लाभ मिल सके।

कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने क्षमता संवर्धन के माध्यम से कौशल विकास कार्यक्रमों की गुणवत्ता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने का संकल्प लिया। यह आयोजन प्रतिभागियों के लिए ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं अत्यंत उपयोगी सिद्ध हुआ तथा सभी ने भविष्य में भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों के नियमित आयोजन की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर जन शिक्षण संस्थान के निदेशक श्री जितेन्द्र कुमार शर्मा, कार्यक्रम अधिकारी श्री संतोष कुमार दुबे, श्री योगेन्द्र सिंह तोमर, सहायक कार्यक्रम अधिकारी श्री विनोद शर्मा, श्री संतोष सिंह गुर्जर, लेखपाल श्री अमित शर्मा, लिपिक श्री अजय सिंह कुशवाह, कम्प्यूटर ऑपरेटर श्री दीपेन्द्र सिंह चतुर्वेदी, रामवीर, जयप्रकाश, प्रशिक्षिका श्रीमती मिथलेश सोनी, श्रीमती सविता श्रीवास, श्रीमती साधना, श्रीमती रानी अहिरवार एवं 70 छात्राएँ आदि उपस्थित रही।

ट्रैफिक एएसआई ने क्वार्टर में फांसी लगाई

निज संवाददाता

भिण्ड। शहर के ट्रैफिक थाना में पदस्थ सहायक उपनिरीक्षक देवेन्द्र सिंह जादौन उम्र 48 वर्ष ने सोमवार सुबह अपने सरकारी क्वार्टर में गमछे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना का पता तब चला, जब वे ड्यूटी पर नहीं पहुंचे। साथी पुलिसकर्मी उन्हें बुलाने क्वार्टर पहुंचे तो अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। खिड़की से देखने पर एएसआई फंदे पर लटके मिले। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना और ट्रैफिक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रदीप पटेल और सीएसपी निरंजन राजपूत ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव को फंदे से उतारकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया।

जानकारी के अनुसार देवेंद्र सिंह जादौन मुरैना जिले के तेतरा गांव के निवासी थे। वे वर्ष 2024 से भिण्ड ट्रैफिक थाना में पदस्थ थे। उनका परिवार ग्वालियर में रहता है, वे भिण्ड में सरकारी आवास में अकेले रह रहे थे। फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पूर्व सरपंच हत्याकाण्ड के दो आरोपी गिरफ्तार, शेष की तलाश जारी

निज संवाददाता

गोहद। गोहद थाना क्षेत्र के ग्राम खितोली में रविवार सुबह खेत की मेड़ को लेकर हुए विवाद में पूर्व सरपंच सब्बीर खान की गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वहीं शेष आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

जानकारी के अनुसार रविवार को फरियादी शहीद पुत्र सौहरव खान निवासी ग्राम खितोली ने थाना गोहद में शिकायत की कि आरोपीगण हफीज खान, फरमान खान, अरमान खान अमन खान, आकिब खान निवासी खितोली तथा सन्नू खान निवासी पोरसा उसके भाई शब्बीर खान की गोली मार कर हत्या कर दी। 6 लोगों के विरुद्ध अपराध क्र.165/26 धारा 103(1), 296(बी), 3(5) का प्रकरण कायम कर विवेचना में लिया गया। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएसपी प्रदीप पटेल के निर्देशन व एसडीओपी महेन्द्र कुमार गौतम के मार्गदर्शन, थाना प्रभारी गोहद के नेतृत्व में जिला भिण्ड में आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु टीम गठित की गई। विवेचना के दौरान सोमवार को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि हत्या के आरोपीगण ग्राम बघराई में छुपे हुए हैं और भागने की फिराक में हैं। इस दौरान पुलिस ने मुखबिर की सूचना एवं तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर हफीज खान निवासी मग्गुपुरा तथा अहसान खान उर्फ सन्नू खान निवासी पोरसा को गिरफ्तार कर लिया है। जिसमें आरोपी हफीज खान के पास से 12 बोर की रायफल व एक खाली खोका, आरोपी अहसान खान से एक डंडा जब्त कर दोलों को जेआर पर न्यायालय पेश किया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी गोहद निरीक्षक नरेन्द्र सिंह कुशवाह, उपनिरीक्षक रवि तोमर, प्रधान आरक्षक गौरीशंकर, सोनू कुमार, संतोष सिंह, राजवीर सिंह, आकाश केन, रामनिवास दीक्षित, रिपुदमन सिंह, आरक्षक भानु तोमर, योगेन्द्र सिंह, बृजेश शर्मा, प्रदीप तोमर, विवेक जाट, सर्वेश तोमर की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

सावन के पहले सोमवार को शिवालयों में उमड़ी भक्तों की भीड़

निज संवाददाता

भिण्ड। सावन माह के पहले सोमवार पर शहर सहित पूरे जिले के शिवालयों में अल सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक और दर्शन के लिए बड़ी संख्या में भक्त मंदिर पहुंचे। पूरे दिन मंदिर परिसर हर-हर महादेव और नमः शिवाय के जयघोष से गूंजते रहे।

शहर के प्राचीन वनखण्डेश्वर महादेव मन्दिर में सबसे अधिक भीड़ रही। यहां सुबह पांच बजे से दर्शन के लिए लंबी कतारें लगी रहीं। वहीं अटेर के प्रसिद्ध बौरेश्वर महादेव मंदिर में भी हजारों श्रद्धालु दर्शन और पूजन के लिए पहुंचे। श्रद्धालुओं ने शिवलिंग पर गंगाजल, दूध, दही, शहद और पंचामृत अर्पित कर विधि-विधान से पूजा की। भक्तों ने भगवान शिव का अभिषेक कर परिवार की सुख-समृद्धि, स्वास्थ्य और मंगल की कामना की। जिले के महाकालेश्वर महादेव मन्दिर, कुण्डेश्वर महादेव मन्दिर, नवादा पार्क स्थित शिव मन्दिर, मेहगांव के वनखण्डेश्वर मन्दिर, गोरमी के धुरिवकोट मन्दिर, गोहद के चक्रधारी मन्दिर और लहार के तालेश्वर महादेव मन्दिर सहित अन्य शिवालयों में भी दिनभर श्रद्धालुओं की भीड़ रही। कई श्रद्धालुओं ने घरों में भी शिव परिवार की स्थापना कर विशेष पूजा और रुद्राभिषेक किया। कई जगह शिव महापुराण का पाठ, भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ।

देहात पुलिस ने दो इनामी स्थाई वारंटियों को किया गिरफ्तार

-13 साल से फरार आरोपी 10 हजार व डेढ़ साल से फरार आरापी पर 3 हजार का था इनाम घोषित

निज संवाददाता

भिण्ड। पुलिस अधीक्षक भिण्ड सूरज कुमार वर्मा, एएससपी प्रदीप पटेल के निर्देशन व सीएसपी निरंजन सिंह राजपूत के मार्गदर्शन में जिले में फरार अपराधियों, इनामी आरोपियों एवं स्थाई वारंटियों की गिरफ्तारी हेतु विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत थाना प्रभारी देहात निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा लगातार सूचना संकलन, तकनीकी विश्लेषण एवं मुखबिर तंत्र को सक्रिय रखते हुए लंबे समय से फरार चल रहे स्थाई वारंटियों की तलाश की जा रही थी।

इसी क्रम में थाना देहात पुलिस टीम ने 13 वर्ष से फरार 10 हजार के इनामी स्थाई वारंटी तथा लगभग डेढ़ वर्ष से फरार 3 हजार के इनामी स्थाई वारंटी को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों वारंटी अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए लगातार अपने ठिकाने बदल रहे थे तथा अलग-अलग स्थानों पर अपनी पहचान छिपाकर रह रहे थे। पुलिस द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही थी तथा मुखबिर तंत्र से प्राप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने योजनाबद्ध तरीके से दबिश देकर एक वारंटी को ग्राम बंथरी थाना मिहोना एवं दूसरे को ग्राम निवसाई थाना रौन से गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया। इस कार्रवाई में निरीक्षक शिवप्रताप सिंह राजावत, उपनिरीक्षक धर्मसिंह तोमर, प्रधान आरक्षक नीरज सिंह, आरक्षक कमल तोमर, अजीत सिकरवार, सुमित शर्मा, भूपेन्द्र तोमर, दीपक जादौन, ज्ञानेन्द्र मिश्रा, अवधेश चौहान, फिरोज खान, आनंद दीक्षित, राहुल यादव सायबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

कुण्डेश्वर मन्दिर में पहले सोमवार को बने एक लाख पार्थिव शिवलिंग

निज संवाददाता

भिण्ड। श्रावण मास में शहर कोतवाली के सामने स्थित कुण्डेश्वर धाम में एक माह के लिए अनवरत श्रृंखला में बनाए जा रहे पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम में प्रथम सोमवार को भक्तों की अपार भीड़ उमड़ी। प्रथम सोमवार को एक लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण किए गए। वहीं कुण्डेश्वर महादेव मन्दिर में जलाभिषेक के लिए हजारों भक्तों का सैलाब रहा।

मन्दिर के पुजारी विजय महाराज ने बताया कि श्रावण मास में पूरे महीने रोज सुबह 8 बजे से 12 बजे तक पार्थिव शिवलिंग निर्माण कार्यक्रम किया जा रहा है। आज श्रावण मास का पहला सोमवार होने के कारण भक्तों की अपार भीड़ रही, जिसमें एक लाख पार्थिव शिवलिंग निर्माण किए गए, जिनका विधि विधान से महा रुद्राभिषेक कर पूजन किया गया, तत्व प्रांत आरती पश्चात भगवान भोलेनाथ का क्वारी नदी में विसर्जन किया गया। आप सभी भक्तों से विशेष आग्रह है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर धर्म लाभ लें।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर नगर कांग्रेस ने मनाया जश्न

- परेड चौराहे पर बांटे लड्डू

निज संवाददाता

भिण्ड। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी की ऐतिहासिक जीत पर नगर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भिण्ड के परेड चौराहे पर आमजन को लड्डू बांटकर एवं एक-दूसरे का मुंह मीठा कर खुशी का इजहार किया। कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक नारे लगाए।

इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. राधेश्याम शर्मा ने कहा कि दतिया की जनता ने लोकतांत्रिक मूल्यों, जनहित और विकास की राजनीति पर अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कांग्रेस पार्टी को विजयी बनाया है। यह जीत प्रदेश की जनता के बढ़ते विश्वास और कांग्रेस की जनहितकारी नीतियों की जीत है। नगर ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्ष संतोष त्रिपाठी कहा कि दतिया की जीत से प्रदेशभर के कांग्रेस कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है तथा आने वाले चुनावों में भी कांग्रेस पार्टी मजबूती के साथ जनता के बीच जाएगी।

इस अवसर पर वरिष्ठ नेता रामहर्ष सिंह कुशवाह, शहर ब्लॉक अध्यक्ष हलीम पठान, रेखा भदौरिया, पानसिंह सुमन बाबूजी, रामजीलाल शाक्य, स्नेहलता जैन, नेहा भदौरिया, प्रमोद दीक्षित पीसी, शिवशंकर भदौरिया, राघवेन्द्र कांकर, कुलदीप भारद्वाज, बलराम जाटव, पार्षद रामहेत शाक्य, अरुण शर्मा वकील, दर्शन सिंह तोमर, सुबोध तिवारी, चंद्रभान सिंह, मोहम्मद इरफान गामू, मोहन शाक्य, अंकित तोमर, ऋषिकेश शाक्य सहित कांग्रेस के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दतिया की जनता का आभार व्यक्त करते हुए जीत को जनता की जीत बताया और प्रदेश के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस की प्रतिबद्धता दोहराई।

राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त की रचनाएं हर युग में प्रासंगिक रहेगीः विधायक

- राष्ट्रकवि की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित

निज संवाददाता

भिण्ड। शहर के बस स्टैण्ड स्थित राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त प्रतिमा स्थल पर उनकी जयंती के अवसर पर गहोई वैश्य सभा के तत्वाधान में माल्यार्पण एवं पौधारोपण विधायक नरेन्द्र सिंह कुशवाह के मुश्य आतिथ्य में संपन्न हुआ।

इस अवसर पर विधायक कुशवाह ने कहा कि राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त देश के श्रेष्ठ कवियों में थे। इनकी रचनाएं हर युग में प्राथमिक रहेगी। कार्यक्रम की अध्यक्षता शैलेन्द्र बिलैया अध्यक्ष गहोई वैश्य सभा ने की। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि कैलाश नारायण सांवला एवं संचालन कवि अंजुम मनोहर ने किया। इस मौके पर मौजूद गहोई वैश्य सभा के पदाधिकारियों के अलावा विभिन्न समुदाय के प्रतिनिधियों ने राष्ट्रकवि गुप्त की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

नल जल योजना ग्राम पंचायत खेड़ा मानगढ़ को हस्तांतरित

ग्रामीणों की सहभागिता से होगा योजना का संचालन एवं संधारण

निज संवाददाता

मुरैना, 03 अगस्त 2026/लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित नल जल योजनाओं के सुचारु संचालन एवं दीर्घकालिक रखरखाव सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विकासखंड कैलारस की ग्राम पंचायत कुरौली अंतर्गत ग्राम खेड़ा मानगढ़ की नल जल योजना का विधिवत हस्तांतरण ग्राम पंचायत को किया गया।

कार्यपालन यंत्री श्री अमर दाहिया के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में विभागीय अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में योजना का प्रमाणीकरण कर आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण की गईं। इसके उपरांत योजना का संचालन एवं संधारण ग्राम पंचायत को सौंप दिया गया।

इस अवसर पर विभाग के विकासखंड समन्वयक श्री गिरीश इन्दौलिया, आई.एस.ए. कॉर्डिनेटर श्री रविन्द्र पाल, विभागीय ठेकेदार, ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को योजना के नियमित संचालन, जल संरक्षण, समय पर रखरखाव तथा पेयजल व्यवस्था को सतत बनाए रखने के संबंध में आवश्यक जानकारी भी प्रदान की गई।

ग्रामवासियों ने विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए नल जल योजना के संचालन एवं रखरखाव में पूर्ण सहयोग देने तथा पंचायत के माध्यम से योजना का प्रभावी संचालन सुनिश्चित करने का विश्वास व्यक्त किया।

घरेलू अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण सम्पन्न, स्वरोजगार के लिए प्रेरित हुए प्रशिक्षणार्थी

निज संवाददाता

मुरैना, 03 अगस्त 2026/ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान (सेन्ट आरसेटी), मुरैना में आयोजित 12 दिवसीय घरेलू अगरबत्ती एवं धूपबत्ती निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम सोमवार को सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रतिभागियों को स्वरोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रोत्साहित करना था।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन अवसर पर प्रशिक्षण बैच का मूल्यांकन श्री अशोक कुमार शर्मा एवं श्रीमती ज्योति शर्मा द्वारा किया गया। संस्थान के निदेशक श्री मुनीश्वर शाक्य ने प्रशिक्षणार्थियों को बैंकिंग प्रक्रियाओं, स्वरोजगार की संभावनाओं तथा वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते हुए कहा कि प्रशिक्षण के दौरान अर्जित ज्ञान एवं कौशल का उपयोग कर स्वयं का उद्यम स्थापित करें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम में संस्थान के फैकल्टी श्री सचिन बंसल, ऑफिस असिस्टेंट श्री दीपक शाक्य, श्री शिवमोहन सिंह भदौरिया तथा अटेंडर श्री घनश्याम जाटव उपस्थित रहे। प्रशिक्षणार्थियों ने संस्थान द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन के लिए आभार व्यक्त करते हुए प्राप्त कौशल के आधार पर स्वरोजगार स्थापित कर आत्मनिर्भर बनने का संकल्प लिया।

बदरवास के श्रीपुर चक्क में 35-40 दबंगों का घर में घुसकर खूनी तांडव, महिलाओं व दिव्यांग से मारपीट कर की 1 लाख की डकैती

पुलिस अधीक्षक (SP) कार्यालय शिवपुरी पहुंचे पीड़ितों ने न्याय की गुहार लगाई...

निज संवाददाता

शिवपुरी / बदरवास थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीपुर चक्क में हथियारों से लैस करीब 35 से 40 दबंगों द्वारा एक ही परिवार के लोगों पर जानलेवा हमला करने और घर में घुसकर लूटपाट व तोड़फोड़ का सनसनीखेज मामला सामने आया है। घटना से प्रताड़ित होकर पीड़ित परिवार ने शिवपुरी पुलिस अधीक्षक (स्क) कार्यालय पहुंचकर आवेदन देकर आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी और सुरक्षा की मांग की है।

मामूली बात पर शुरू हुआ विवाद

ग्राम श्रीपुर चक्क निवासी प्रार्थी शिशुपाल यादव (26 वर्ष) पुत्र जसरथ सिंह यादव ने बताया कि 28 जुलाई 2026 की रात करीब 11:45 बजे उनका छोटा भाई अंशुल यादव कृष्णा पैलेस होटल में एक निमंत्रण में गया था। वहां मौजूद दबंगों ने अंशुल से उसके पिता के न आने को लेकर विवाद शुरू किया और गाली-गलौज कर उसे भगा दिया।

हथियारों से लैस होकर पहुंचे दबंग, घर में मचाया उपद्रव

पीड़ित के अनुसार, इस मामूली बात से रंजिश रखते हुए दबंग लाठी, लुहांगी, फर्सा, चाकू, तलवार और पिस्तौल लेकर देर रात उनके घर में जबरन घुस आए। दबंगों ने बड़े भाई कल्याण यादव की कनपटी पर पिस्तौल अड़ा दी और परिवार के सदस्यों पर हमला कर दिया।

हमले में परिवार के कल्याण, रामराजा (जो दोनों पैरों से दिव्यांग हैं), जसरथ, अंशुल, बीरेंद्रसिंह, प्रेमबाई, बालकुमारी और सर्वेश यादव को लाठी-डंडों, कुल्हाड़ी और लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा गया। हमले में प्रेमबाई का हाथ फ्रैक्चर हो गया तथा बालकुमारी, सर्वेश और दिव्यांग रामराजा के सिर में गंभीर चोटें आईं, जिससे खून बहने लगा।

₹ 1 लाख नकद और गहने लूट ले गए आरोपी

पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने घर में जमकर तोड़फोड़ की और अलमारी में रखे *1 लाख रुपये नकद* निकाल लिए। इसके अलावा महिलाओं के गले से मंगलसूत्र, पुतईया और हाथ से चांदी का चूरा भी छीन लिया। जाते-जाते आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

35-40 लोगों पर हमला करने का आरोप, कई नामजद

आवेदन में अरुण परिहार (पुत्र राजपाल), बंटी परिहार (पुत्र भरत), शनि परिहार (पुत्र भरत), रितेश परिहार (पुत्र राजू), रिंकू परिहार (पुत्र अशोक), संजय परिहार (पुत्र अशोक), नीलू परिहार (पुत्र राजू), छोटू परिहार (पुत्र घनश्याम), भरत परिहार (पुत्र जगदीश), राजेन्द्र परिहार (पुत्र राजपाल) सहित करीब 35-40 अन्य लोगों को नामजद किया गया है। पीड़ितों का आरोप है कि मुख्य आरोपी पूर्व में भी कई आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहे हैं और जिला बदर भी रह चुके हैं।

बदरवास पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल

पीड़ित शिशुपाल यादव ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बदरवास थाना पुलिस ने उनकी शिकायत के अनुसार निष्पक्ष रिपोर्ट दर्ज नहीं की, बल्कि मनगढ़ंत एफआईआर बनाकर आरोपियों को खुला छोड़ दिया है। उल्टा पीड़ितों को ही डांट-फटकार लगाई जा रही है और आरोपियों द्वारा उनके खिलाफ झूठा क्रॉस केस दर्ज करवा दिया गया है।

 # CCTV फुटेज जांचने की मांग

पीड़ितों ने पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि उनके घर के आसपास लगे 3-4 सीसीटीवी (CCTV) कैमरों की फुटेज निकलवाई जाए, जिससे घटना की पूरी सच्चाई सामने आ सके। पीड़ित परिवार ने आरोपियों की तत्काल गिरफ्तारी और अपने जान-माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह की ऐतिहासिक जीत पर कांग्रेसजनों ने मनाया जश्न

निज संवाददाता

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी कुंवर घनश्याम सिंह की ऐतिहासिक जीत पर मुरैना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्षोल्लास के साथ विजय उत्सव मनाया। इस अवसर पर हनुमान चौराहा, मुरैना पर कांग्रेसजनों ने आतिशबाजी कर एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया तथा मिठाइयाँ वितरित कर जीत की खुशी साझा की।

जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मधुराज तोमर ने कहा कि दतिया की जनता ने कांग्रेस की जनहितैषी नीतियों, संगठन की मेहनत और लोकतांत्रिक मूल्यों पर अपना विश्वास व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह जीत प्रदेश की जनता के बदलते जनमत का स्पष्ट संदेश है और आने वाले समय में कांग्रेस पूरे प्रदेश में और अधिक मजबूती के साथ आगे बढ़ेगी।

शहर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गजेंद्र सिंह जाटव ने कहा कि यह जीत कांग्रेस कार्यकर्ताओं की मेहनत, समर्पण और जनता के विश्वास का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि कुंवर घनश्याम सिंह दतिया विधानसभा क्षेत्र के विकास एवं जनता की अपेक्षाओं पर पूरी तरह खरे उतरेंगे जिला कांग्रेस कमेटी भिंड के अध्यक्ष धर्मेंद्र भदौरिया ने कहा कि दतिया उपचुनाव का परिणाम प्रदेश की जनता की आवाज़ है। यह विजय कांग्रेस के प्रति बढ़ते विश्वास और जनविरोधी नीतियों के विरुद्ध जनता के स्पष्ट जनादेश का प्रतीक है। इस जीत से पूरे प्रदेश के कांग्रेस कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है।

इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे और सभी ने कुंवर घनश्याम सिंह को ऐतिहासिक विजय पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित कीं कार्यक्रम में मुख्य रूप से भगवान सिंह तोमर दीपक शर्मा कुलदीप यादव विनीत कंषाना अमनीष कटारे हरीश पाठक जितेंद्र डंगस विनोद शर्मा आशिफ कुरैशी रिंकू पचौरी बिशनपाल सिंह तोमर हरिराम पचोरिया बलवीर दोनेरिया हकीम कुरैशी संतोष दुवे नरेश कारखुर धर्मेंद्र गुर्जर नरेश यादव डेविड वर्मा बंगाली जाटव वैजनाथ पिप्पल वकीला जाटव मोहर सिंह जाटव पवन यादव महेश खुराना हमीद खान राहुल यादव मदन मोहन कुलक्षेष्ठ रामु मोटास

खंडों का अवैध परिवहन करने वाले आरोपी को 01 वर्ष का साधारण कारावास एवं 500/- रुपये अर्थदण्ड

निज संवाददाता

सबलगढ़। न्यायालय माननीय जेएमएफसी श्रीमान अभिषेक कुमार, सबलगढ़ के न्यायालय द्वारा आरोपी कजन सिंह रावत, निवासी-लाडपुरा, थाना चिन्नौनी, जिला मुरैना को धारा 379 भादवि में 01 वर्ष सश्रम कारावास एवं 500 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया।

अभियोजन का मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि दिनांक 07.01.2023 को थाना सबलगढ़. में उपनिरीक्षक के पद पर पदस्थ प्रताप सिंह लोधी प्रधान आरक्षक मनोज, आरक्षक अजीत सिंह, आरक्षक प्रहलाद सिंह, आरक्षक अमर सिंह एवं आरक्षक चालक अनिल कुमार के साथ वाहन से कस्बा भ्रमण हेतु रवाना हुए थे। प्रताप सिंह को बीटीआई स्कूल के पास मुखबिर सूचना मिली कि बकसपुर की ओर से आ %रही एक ट्रैक्टर ट्रॉली में खण्डों को अवैध रूप से भरकर लाया जा रहा है। उन्होंने हमराह स्टाफ को उक्त सूचना से अवगत कराया और सूचना की तस्दीक हेतु बकसपुर की पुलिया पर जाकर चैकिंग पॉइंट लगाकर चैकिंग प्रारंभ किया। एक% नीले रंग के सोनालिका मॉडल 745 %को रोका गया जिसकी ट्रॉली में खण्डे भरे हुए थे। वाहन चालक ने अपना नाम कजन सिंह पुत्र बालू रावत उम्र 33 वर्ष निवासी लाड़पुरा थाना चिन्नौनी होना बताया। उसके पास खण्डों के परिवहन के संबंध में कोई दस्तावेज नहीं होना बताया था। वाहन मय खण्डों के जप्त किया गया। अभियुक्त के विरूद्ध प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई एवं विवेचना उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया।

माननीय न्यायालय ने विचारण उपरांत अभियोजन द्वारा प्रस्तुत समस्त मौखिक, दस्तावेजी, एवं अन्य साक्ष्य को एवं प्रस्तुत दलीलों के आधार पर अभियुक्त द्वारा खनिज संपदा खंडे को बेईमानी पूर्वक आशय से चुराने की घटना को प्रमाणित मानते हुए दिनांक 28.07.2026 को अपने निर्णय में आरोपी को धारा 379 भादवि में 01 वर्ष साधारण कारावास एवं 500 रुपये अर्थदण्ड से दण्डित कराया गया।

प्रकरण में शासन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी, श्री मनोज गुप्ता, सबलगढ द्वारा की गई।

धौलपुर पुलिस ने हत्या के फरार तीन आरोपियों को दबोचा,10 हजार इनामी ओमपाल समेत मुकेश हत्याकांड में बड़ी कार्रवाई

निज संवाददाता

धौलपुर पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान आईपीएस के निर्देशन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक वैभव शर्मा आरपीएस व वृत्ताधिकारी मनियां खलील अहमद आरपीएस के निकटतम सुपरविजन में थानाधिकारी मनियां अनिल गौतम पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए हत्या के प्रकरण में फरार चल रहे तीन मुल्जिमों को पकड़ने में सफलता हासिल की है। घटना दिनांक 15 जुलाई 2026 को भारतवीर पुत्र ऐदल सिंह जाति गुर्जर उम्र 35 साल निवासी भदियाना थाना कौलारी जिला धौलपुर द्वारा अपने भाई मुकेश व हिम्मत सिंह के साथ मुल्जिमों ने लाठी डंडा व सरियों से मारपीट की एवं कट्टा बन्दूकों से मुकेश में गोली मारी जिससे मुकेश को इलाज हेतु रास्ते में ले जाते समय मृत्यु हो गई एवं हिम्मत सिंह का इलाज जारी है। उक्त घटना के सम्बन्ध में थाना मनियां पर मुकदमा धारा बीएनएस में दर्ज कर मुल्जिमों की तलाश हेतु टीम गठित की गई। जिसमें फरार मुल्जिम महेन्द्र उर्फ लौठा पुत्र शिवराम सिंह जाति गुर्जर उम्र 30 साल निवासी नगला माबई मजरा भदियाना थाना कौलारी धौलपुर, मौनू पुत्र श्रीराम जाति गुर्जर उम्र 22 साल निवासी नगला माबई मजरा भदियाना थाना कौलारी धौलपुर व ओमपाल पुत्र गजराज सिंह जाति गुर्जर उम्र 28 साल निवासी भदियाना थाना कौलारी जिला धौलपुर को थानाधिकारी मनियां अनिल गौतम पुलिस निरीक्षक मय टीम द्वारा गिरफ्तार किया गया। मुल्जिम ओमपाल पर धौलपुर पुलिस अधीक्षक द्वारा 10 हजार रुपये का इनाम घोषित है। उक्त तीनों मुल्जिमों को न्यायालय के समक्ष पेश किया जाकर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। शेष अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

आंदोलन का असरः विजयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को मिला शव वाहन

भाजपा सोशल मीडिया प्रभारी सौरव जादौन की माँग हुई पूरी,अब जरूरतमंद लोगों को मिलेगी राहत

निज संवाददाता

विजयपुर / लंबे समय से शव वाहन की सुविधा का इंतजार कर रहे विजयपुर क्षेत्र के लोगों को आखिरकार राहत मिल गई। विजयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को शव वाहन उपलब्ध करा दिया गया है। अब मरीजों के परिजनों को शव ले जाने के लिए निजी वाहनों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। गौरतलब है कि कुछ समय पहले भाजपा मंडल सोशल मीडिया प्रभारी सौरव जादौन ने क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर पानी की टंकी पर चढ़कर आंदोलन किया था। इस दौरान उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शव वाहन उपलब्ध कराने की मांग प्रमुखता से उठाई थी। मांग के बाद जिला प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा और सीएमएचओ डॉ. दिलीप सिंह सिकरवार के प्रयासों से स्वास्थ्य विभाग ने विजयपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को शव वाहन उपलब्ध कराया।

शव वाहन मिलने से विजयपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अब अंतिम संस्कार के लिए शव परिवहन में होने वाली कठिनाइयों और अतिरिक्त खर्च से निजात मिलेगी। स्थानीय नागरिकों ने इस सुविधा के लिए जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग का आभार व्यक्त किया।

इनका कहना है

शव वाहन उपलब्ध होने से अब परिजनों को शव परिवहन के लिए इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा। जरूरत पड़ने पर अस्पताल से नियमानुसार यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इससे विजयपुर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

डॉ. राघवेंद्र कर्ण प्रभारी बीएमओ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र विजयपुर

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस की जीत पर विजयपुर में जश्न गांधी चौक पर कार्यकर्ताओं ने मिठाई बांटी, आतिशबाजी कर लगाए नारे

निज संवाददाता

विजयपुर। दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह की जीत के बाद विजयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने गांधी चौक पर जोरदार जश्न मनाया। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर खुशी जाहिर की, आतिशबाजी की और कांग्रेस के समर्थन में नारे लगाए।

दतिया उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी घनश्याम सिंह ने भाजपा उम्मीदवार आशुतोष तिवारी को 6,029 मतों से पराजित किया। परिणाम घोषित होते ही विजयपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यकर्ताओं ने इसे जनता के विश्वास और कांग्रेस की नीतियों की जीत बताते हुए कहा कि इस जीत से संगठन को नई ऊर्जा मिली है। गांधी चौक पर देर तक जश्न का माहौल बना रहा और कार्यकर्ता एक-दूसरे को बधाई देते रहे।

संपादकीय

दिल्ली-हरियाणा की गंदगी का बोझ, भुगत रहे आगरा और ब्रज मंडल

यमुना कब तक राजधानी और उसके पड़ोसी राज्यों का सीवर बनी रहेगी?

बृज खंडेलवाल द्वारा

नदियाँ कभी सरहदें नहीं मानतीं। वे जीवन, संस्कृति और सभ्यता को एक जगह से दूसरी जगह ले जाती हैं। लेकिन जब कोई शहर या राज्य अपनी गंदगी नदी में उड़ेल देता है, तो वह ज़हर भी सीमाएँ नहीं मानता। वह भी बहते-बहते दूर तक पहुँचता है। आज यमुना इसी राष्ट्रीय शर्म की सबसे बड़ी मिसाल बन गई है।

हाल ही में तमिलनाडु ने कर्नाटक पर आरोप लगाया कि बेंगलुरु का सीवर मिला पानी लगातार दक्षिण पिनाकिनी (थेनपेन्नई) नदी में छोड़ा जा रहा है। जल परीक्षण में भारी जैविक प्रदूषण, अमोनिया, फीकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया और रासायनिक कचरे की पुष्टि हुई। तमिलनाडु ने न केवल सख़्त एतराज़ जताया, बल्कि केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) से तत्काल दखल देने की मांग भी की।

सवाल है, जब दक्षिण भारत की एक नदी के लिए इतना शोर उठ सकता है, तो यमुना के लिए यह ख़ामोशी क्यों?

यमुना दिल्ली पहुँचने से पहले ही हरियाणा में बीमार हो चुकी होती है। हरियाणा राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आँकड़े बताते हैं कि राज्य के 11 बड़े नाले लगातार गंदगी यमुना में उँडेल रहे हैं। इनमें पानीपत-सोनीपत का ड्रेन नंबर-6, फरीदाबाद का बुढ़िया नाला, बल्लभगढ़-पालवल का गौंछी ड्रेन और गुरुग्राम के कई बड़े ड्रेन शामिल हैं।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि हरियाणा से यमुना में पहुँचने वाले प्रदूषण का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा अकेला गुरुग्राम छोड़ता है। पानीपत और सोनीपत में हर दिन लगभग 42 मिलियन लीटर अनुपचारित सीवेज नदी में जा रहा है। फरीदाबाद की अवैध डाइंग इकाइयाँ रासायनिक और रंगीन कचरा खुलेआम बुढ़िया नाले में छोड़ती हैं। बल्लभगढ़ और पलवल से भी बिना शोधन का सीवेज सीधे यमुना में गिरता है।

दिल्ली पहुँचते-पहुँचते हालात और बदतर हो जाते हैं। वज़ीराबाद से ओखला तक केवल 22 किलोमीटर का हिस्सा यमुना के लिए सबसे बड़ा अभिशाप बन चुका है। नजफ़गढ़ नाला समेत कई बड़े नाले रोज़ करोड़ों लीटर सीवेज और औद्योगिक कचरा नदी में गिराते हैं। दिल्ली जल बोर्ड के ताज़ा अनुमान बताते हैं कि इन नालों का प्रवाह पहले के आकलन से कहीं अधिक है। नतीजा यह है कि कई स्थानों पर पानी में घुली ऑक्सीजन शून्य हो जाती है और फीकल कोलीफॉर्म सुरक्षित सीमा से सैकड़ों गुना ऊपर पहुँच जाता है। यहाँ यमुना नदी नहीं, एक बदहाल नाला दिखाई देती है।

सबसे बड़ी त्रासदी यह है कि दिल्ली और हरियाणा की यह साझा गंदगी नीचे आगरा, मथुरा, वृंदावन और पूरे ब्रज मंडल के हिस्से आती है। ऊपर वालों की लापरवाही, नीचे रहने वालों की सज़ा बन जाती है।

आगरा केवल एक शहर नहीं, ताजमहल का नगर है। यह विश्व धरोहर और भारत की पहचान है। लेकिन ताजमहल के सामने बहने वाली यमुना अब जीवन नहीं, बीमारियाँ लेकर आती है। ज़हरीला पानी भूजल को दूषित कर रहा है। जलीय जीव समाप्त हो रहे हैं। नदी का प्राकृतिक प्रवाह दम तोड़ रहा है। एक मृतप्राय नदी के किनारे दुनिया की सबसे खूबसूरत इमारत भी उदास दिखाई देती है।

इस पूरे संकट में केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की भूमिका भी कठघरे में है। उनका काम केवल पानी की जाँच करना नहीं, बल्कि प्रदूषण रोकना भी है। यदि दशकों से यमुना की यही हालत है, तो सवाल उठना लाज़मी है कि प्रभावी कार्रवाई अब तक क्यों नहीं हुई? क्या रिपोर्टें केवल फाइलों की ज़ीनत बढ़ाने के लिए बनती हैं? क्या कानून सिर्फ़ छोटे लोगों पर लागू होते हैं? बड़े शहरों, उद्योगों और सरकारी एजेंसियों पर नहीं?

हरियाणा सरकार ने 2027 तक बिना शोधन के पानी को पूरी तरह रोकने और नालों के बीओडी स्तर को 10 मिलीग्राम प्रति लीटर से नीचे लाने का लक्ष्य रखा है। नए एसटीपी, सीईटीपी और ड्रेन टैपिंग की योजनाएँ भी बनाई गई हैं। दिल्ली सरकार भी सीवेज शोधन क्षमता बढ़ाने के दावे कर रही है।

लेकिन ज़मीनी हक़ीक़त कुछ और ही कहानी कहती है। पानीपत, फरीदाबाद, गुरुग्राम, बल्लभगढ़ और पलवल से प्रदूषण आज भी लगातार यमुना में पहुँच रहा है। अवैध इकाइयाँ फिर से चालू हो जाती हैं और नालों में सीधा डिस्चार्ज रुकने का नाम नहीं लेता।

यमुना किसी एक राज्य की जागीर नहीं है। यह करोड़ों लोगों की जीवनरेखा है। संविधान हर नागरिक को स्वच्छ पर्यावरण का अधिकार देता है। फिर आगरा और ब्रज के लोगों को प्रदूषित पानी क्यों मिले? ब्रज की सांस्कृतिक और धार्मिक विरासत को इस लापरवाही की क़ीमत क्यों चुकानी पड़े?

अब वक़्त आ गया है कि दिल्ली और हरियाणा दोनों सरकारें अपनी साझा ज़िम्मेदारी स्वीकार करें। राजधानी और उसके औद्योगिक शहरों का विकास तभी मायने रखेगा, जब उसकी गंदगी दूसरे राज्यों की तक़दीर न बने। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य बोर्डों को भी अपनी निष्क्रियता छोड़नी होगी। केवल नोटिस जारी करना या नए लक्ष्य घोषित करना काफ़ी नहीं है। दोषी एजेंसियों और उद्योगों पर सख़्त कार्रवाई होनी चाहिए। यह सुनिश्चित किया जाए कि बिना शोधन का एक भी लीटर सीवेज या औद्योगिक कचरा यमुना में न गिरे।

यमुना सिर्फ़ पानी की धारा नहीं, हमारी सभ्यता की धड़कन है। यदि हम इसे बचाने में नाकाम रहे, तो इतिहास यह नहीं पूछेगा कि कितनी योजनाएँ बनीं या कितने वादे किए गए। वह सिर्फ़ इतना लिखेगा कि एक राष्ट्र अपनी सबसे पवित्र नदियों में से एक को दिल्ली, फरीदाबाद, पानीपत, गुरुग्राम, बल्लभगढ़ और पलवल के सीवर में बदलने से नहीं बचा सका। यही हमारी सबसे बड़ी पर्यावरणीय और नैतिक नाकामी होगी।

उपचुनावों का संदेशः सरकार नहीं बदलती, लेकिन राजनीति की दिशा अवश्य बदलती है

डॉ. भूपेन्द्र कुमार सुल्लेरे
वरिष्ठ पत्रकार, लेखक एवं चिंतक

3 अगस्त 2026 को मध्यप्रदेश की दतिया, बिहार की बांकीपुर तथा गुजरात की एक विधानसभा सीट पर हुए उपचुनावों के परिणाम घोषित हुए। पहली दृष्टि में ये केवल तीन विधानसभा क्षेत्रों तक सीमित चुनाव प्रतीत होते हैं, क्योंकि इनका किसी भी राज्य सरकार के बहुमत अथवा अस्तित्व पर प्रत्यक्ष प्रभाव नहीं पड़ना था। न तो मध्यप्रदेश में सरकार बदलनी थी, न बिहार में सत्ता का समीकरण बदलना था और न ही गुजरात में शासन पर कोई संकट आने वाला था। फिर भी भारतीय लोकतंत्र में उपचुनाव केवल रिक्त सीटों को भरने की संवैधानिक प्रक्रिया नहीं होते, बल्कि वे जनता की राजनीतिक मनःस्थिति, सरकारों के प्रति संतोष-असंतोष, राजनीतिक दलों की रणनीति और भविष्य के चुनावी रुझानों के संकेतक भी होते हैं।

इस दृष्टि से तीनों राज्यों के परिणामों का विश्लेषण अत्यंत महत्वपूर्ण है। विशेष रूप से भारतीय जनता पार्टी के लिए, जो विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी होने का दावा करती है और जिसने पिछले एक दशक में भारतीय राजनीति की दिशा और विमर्श दोनों को प्रभावित किया है। इन उपचुनावों में भाजपा ने केवल चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि नए प्रयोगों, नए नेतृत्व और संगठनात्मक क्षमता की भी परीक्षा दी।

इन चुनावों का सबसे बड़ा निष्कर्ष यह है कि लोकतंत्र में कोई भी चुनाव छोटा नहीं होता। एक सीट की जीत या हार सरकार नहीं बदलती, लेकिन राजनीतिक संदेश अवश्य बदल देती है।

मध्यप्रदेश के संदर्भ में यह उपचुनाव इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है क्योंकि राज्य में भाजपा लगभग बाईस वर्षों से सत्ता में है। इस दौरान नेतृत्व बदलता रहा–उमा भारती, बाबूलाल गौर, शिवराज सिंह चौहान और अब डॉ. मोहन यादव–लेकिन शासन भाजपा के हाथों में ही बना रहा। डॉ. मोहन यादव सरकार भी अपने लगभग ढाई वर्षों का कार्यकाल पूरा करने की ओर बढ़ रही है। ऐसे में प्रत्येक चुनाव सरकार के प्रदर्शन की सार्वजनिक समीक्षा का अवसर बन जाता है।

लंबे समय तक सत्ता में रहने वाली सरकारों के सामने सबसे बड़ी चुनौती विपक्ष नहीं, बल्कि जनअपेक्षाओं का निरंतर बढ़ता स्तर होता है। जनता केवल नई योजनाएँ नहीं चाहती, बल्कि शासन की संवेदनशीलता, प्रशासनिक दक्षता, स्थानीय विकास, रोजगार, कृषि, शिक्षा और कानून-व्यवस्था जैसे मुद्दों पर ठोस परिणाम भी देखना चाहती है। इसलिए दतिया का उपचुनाव भाजपा के लिए केवल राजनीतिक विजय या पराजय का प्रश्न नहीं था, बल्कि यह इस बात की भी परीक्षा थी कि प्रदेश सरकार के प्रति जनता का विश्वास किस स्तर पर बना हुआ है।

यदि इस चुनाव में भाजपा को सफलता मिलती है तो यह मोहन यादव सरकार के प्रति जनता के विश्वास का संकेत माना जाएगा। यदि अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ, तो यह सरकार और संगठन दोनों के लिए आत्ममंथन का विषय होगा। लोकतंत्र की यही विशेषता है कि वह प्रत्येक चुनाव में जनता को अपनी राय व्यक्त करने का अवसर देता है।

बिहार की बांकीपुर विधानसभा सीट का महत्व भी कम नहीं है। बिहार की राजनीति सदैव राष्ट्रीय राजनीति की दिशा को प्रभावित करती रही है। यहां का शहरी मतदाता अपेक्षाकृत अधिक राजनीतिक रूप से जागरूक माना जाता है। इसलिए बांकीपुर का परिणाम केवल स्थानीय मुद्दों का प्रतिबिंब नहीं, बल्कि व्यापक राजनीतिक मनोविज्ञान का भी संकेत माना जाएगा।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी पहले ही प्रारंभ हो चुकी है। ऐसे में प्रत्येक दल अपने संगठन, नेतृत्व और सामाजिक समीकरणों की परीक्षा उपचुनावों के माध्यम से करता है। भाजपा के लिए यह चुनाव अपने पारंपरिक मतदाता आधार को बनाए रखने का अवसर था, जबकि विपक्ष के लिए यह संदेश देने का कि वह अभी भी प्रभावी चुनौती प्रस्तुत कर सकता है।

गुजरात की स्थिति कुछ अलग है। यह भाजपा का सबसे मजबूत राजनीतिक आधार माना जाता है। यहां उपचुनावों का महत्व सत्ता परिवर्तन से अधिक संगठनात्मक अनुशासन और मतदाता विश्वास की निरंतरता से जुड़ा होता है। पिछले तीन दशकों में भाजपा ने गुजरात में जिस संगठनात्मक मॉडल को विकसित किया है, वह आज पूरे देश के लिए एक अध्ययन का विषय है। बूथ प्रबंधन, कार्यकर्ता आधारित चुनाव अभियान, सामाजिक संपर्क और चुनावी प्रबंधन की दृष्टि से गुजरात भाजपा का सबसे मजबूत प्रयोगशाला रहा है।

इन तीनों राज्यों में यदि कोई एक समान तत्व दिखाई देता है तो वह है भाजपा की उम्मीदवार चयन की रणनीति। पार्टी ने लगातार नए चेहरों को अवसर देने का प्रयास किया है। यह केवल चुनावी प्रयोग नहीं, बल्कि दीर्घकालिक नेतृत्व निर्माण की प्रक्रिया भी है।

भारतीय राजनीति लंबे समय तक व्यक्तिवादी नेतृत्व और वंशवादी राजनीति के आरोपों से घिरी रही है। ऐसे समय में यदि कोई राजनीतिक दल नए सामाजिक वर्गों, युवाओं, महिलाओं तथा नए नेतृत्व को अवसर देता है, तो उसका व्यापक राजनीतिक संदेश भी जाता है। भाजपा इसी रणनीति पर आगे बढ़ती दिखाई देती है। हालांकि नई पीढ़ी को अवसर देने के साथ जोखिम भी जुड़े होते हैं। नया उम्मीदवार संगठन के लिए ऊर्जा का स्रोत बन सकता है, लेकिन उसकी स्थानीय पहचान और जनस्वीकार्यता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है।

यहां संगठन की भूमिका निर्णायक बन जाती है। भाजपा की सबसे बड़ी शक्ति उसका बूथ स्तर तक फैला संगठन माना जाता है। यदि संगठन मजबूत है तो नया उम्मीदवार भी चुनावी सफलता प्राप्त कर सकता है। लेकिन यदि संगठन में स्थानीय असंतोष, गुटबाजी या संवादहीनता हो तो सबसे मजबूत उम्मीदवार भी कठिनाई में पड़ सकता है। इसलिए इन उपचुनावों का संदेश केवल सरकार के लिए नहीं, बल्कि संगठन के लिए भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

विपक्ष के लिए भी ये परिणाम गंभीर आत्मविश्लेषण का अवसर हैं। केवल सत्ता विरोधी माहौल के भरोसे चुनाव नहीं जीते जा सकते। जनता अब सकारात्मक विकल्प भी चाहती है। विपक्ष को केवल सरकार की आलोचना से आगे बढ़कर वैकल्पिक नीति, विश्वसनीय नेतृत्व और प्रभावी संगठन प्रस्तुत करना होगा। उपचुनावों ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि भारतीय मतदाता अब अधिक परिपक्व हो चुका है। वह राष्ट्रीय और स्थानीय मुद्दों के बीच स्पष्ट अंतर करता है तथा उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि को भी महत्व देता है।

इन परिणामों का एक और महत्वपूर्ण पक्ष यह है कि भारतीय लोकतंत्र अब स्थायी चुनावी अवस्था में प्रवेश कर चुका है। पहले चुनाव पाँच वर्ष में एक बार होते थे और राजनीतिक गतिविधियाँ सीमित रहती थीं। अब लोकसभा, विधानसभा, उपचुनाव, स्थानीय निकाय और पंचायत चुनावों के कारण राजनीतिक दलों को निरंतर जनता के बीच सक्रिय रहना पड़ता है। इसलिए प्रत्येक उपचुनाव भविष्य की बड़ी चुनावी लड़ाइयों की तैयारी का मंच बन जाता है।

राजनीतिक इतिहास यह भी बताता है कि उपचुनावों के परिणामों को आगामी विधानसभा अथवा लोकसभा चुनावों का अंतिम पूर्वानुमान नहीं माना जा सकता। कई बार उपचुनाव में पराजित दल बाद में भारी बहुमत से सरकार बना लेता है और कई बार उपचुनाव की जीत बड़े चुनावों में दोहराई नहीं जा पाती। इसलिए इन परिणामों को न तो अतिरंजित करना चाहिए और न ही पूरी तरह नज़रअंदाज़ करना चाहिए। इन्हें राजनीतिक चेतावनी, जनभावना के संकेत और संगठनात्मक मूल्यांकन के अवसर के रूप में देखना अधिक उचित होगा।

मध्यप्रदेश के संदर्भ में भाजपा के सामने सबसे बड़ी चुनौती अपनी दीर्घकालिक सत्ता के कारण उत्पन्न स्वाभाविक जनअपेक्षाओं का प्रबंधन है। डॉ. मोहन यादव सरकार को प्रशासनिक दक्षता, निवेश, रोजगार, कृषि, शिक्षा और शहरी विकास जैसे क्षेत्रों में ठोस परिणाम प्रस्तुत करने होंगे। दूसरी ओर संगठन को भी नए कार्यकर्ताओं और नए नेतृत्व के साथ सामंजस्य स्थापित करना होगा।

अंततः कहा जा सकता है कि 3 अगस्त 2026 के उपचुनावों ने यह सिद्ध किया है कि लोकतंत्र में चुनावों का महत्व केवल सत्ता परिवर्तन तक सीमित नहीं है। वे जनता और राजनीतिक दलों के बीच सतत संवाद की प्रक्रिया हैं। इन परिणामों ने भाजपा को यह संदेश दिया है कि लंबे समय तक सत्ता में बने रहने के लिए केवल उपलब्धियाँ पर्याप्त नहीं होतीं, बल्कि निरंतर आत्ममूल्यांकन, संगठनात्मक सुदृढ़ता और जनविश्वास का संरक्षण भी आवश्यक है। वहीं विपक्ष के लिए संदेश स्पष्ट है कि केवल असंतोष की राजनीति पर्याप्त नहीं, बल्कि विश्वसनीय विकल्प प्रस्तुत करना ही सफलता का आधार बनेगा।

सरकारें इन उपचुनावों से नहीं बदलतीं, लेकिन राजनीतिक दलों की कार्यशैली, चुनावी रणनीति और भविष्य की दिशा अवश्य बदल जाती है। यही इन उपचुनावों का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक संदेश है।

सावन के पहले सोमवार सैपऊ के शिव मंदिर में श्रद्धालुओं का सैलाब, 3 बजे से दर्शन हर-हर महादेव के जयकारे गूंजे

निज संवाददाता

धौलपुर। सैपऊ पवित्र सावन माह के पहले सोमवार को सैपऊ के ऐतिहासिक शिव मंदिर में भगवान भोलेनाथ के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। सुबह करीब 3 बजे से ही श्रद्धालुओं के मंदिर पहुंचने और भगवान शिव के दर्शन करने का सिलसिला शुरू हो गया जो लगातार जारी रहा। श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर क्षेत्र और आसपास के मार्गों पर कई जगह यातायात व्यवस्था प्रभावित हुई। जिसके चलते लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। मंदिर परिसर में श्रद्धालु हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयकारों के साथ भगवान शिव के दर्शन कर रहे हैं। दूर-दराज के क्षेत्रों और अन्य प्रांतों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु सैपऊ पहुंचे हैं।आचार्य कृष्ण शास्त्री ने बताया कि सावन माह में भगवान महादेव की पूजा-अर्चना का विशेष महत्व है। श्रद्धालु आस्था के साथ मंदिर पहुंचकर भगवान शिव का जलाभिषेक और दर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि महादेव के दर्शन और पूजा से श्रद्धालुओं में विशेष आस्था एवं विश्वास देखने को मिल रहा है श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए उपपुलिस अधीक्षक मनोहर मीणा ओर सैपऊ थाना प्रभारी प्रवेन्द्र रावत और एएसआई विष्णु भगत पुलिस टीम के साथ व्यवस्थाओं को संभालने में जुटे हुए हैं पुलिसकर्मी यातायात को सुचारु करने के साथ-साथ मंदिर क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं।सावन के पहले सोमवार पर सुबह से ही उमड़ी भीड़ ने सैपऊ में धार्मिक उत्सव जैसा माहौल बना दिया। श्रद्धालुओं में भगवान शिव के दर्शन को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा मंदिर परिसर और आसपास का क्षेत्र गूंज उठा

अवैध सीएनजी व हाइड्रो सिलेंडर लगाकर संचालित वाहनों के विरुद्ध परिवहन विभाग का स्पेशल ड्राइव ताबड़तोड़ कार्रवाई से हड़कंप

निज संवाददाता

धौलपुर। परिवहन विभाग ने जिले में आमजन की सुरक्षा को ताक पर रखकर अवैध रूप से अनधिकृत सीएनजी एवं हाइड्रो सिलेंडर लगाकर दौड़ रहे वाहनों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर ताबड़तोड़ कार्रवाई की है। इस सघन जांच अभियान के दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहनों को जब्त किया गया तथा भारी जुर्माना वसूला गया। गौरव यादव जिला परिवहन अधिकारी ने बताया कि कार्यालय के गठित विशेष प्रवर्तन उडनदस्तों ने जिले के प्रमुख सीएनजी फिलिंग पंप चौराहों हाईवे और व्यावसायिक मार्गों पर नाकाबंदी कर वाहनों की बारीकी से जांच की। सीएनजी फिलिंग पंप स्वामियों को जागरूक किया गया कार्रवाई के मुख्य बिंदु अवैध सीएनजी किट व गैर प्रमाणित सिलेंडर जांच के दौरान कई निजी व व्यावसायिक वाहनों में बिना स्वीकृत अवैध सीएनजी किट और बिना टेस्टिंग वाले हाइड्रो सिलेंडर लगे पाए गए जो किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते थे। चालान एवं जब्ती अभियान के तहत कुल 88 वाहनों की जांच की गई जिनमें से 41 वाहनों का मौके पर चालान किया गया तथा गंभीर लापरवाही पाए जाने पर 40 वाहनों को सीज या जब्त कर कार्यालय में खड़ा करवाया गया। अब उक्त वाहनों के फिटनेस प्रमाणपत्र निरस्त करने की कार्यवाही की जावेगी परिवहन विभाग द्वारा जिले में सीएनजी फिलिंग स्टेशन को नोटिस जारी कर नियमों की पालना करने हेतु

पाबंद किया गया है। साथ ही जिला रसद अधिकारी को स्वयं के स्तर पर अवैध रूप से सीएनजी फिलिंग करने पर कार्यवाही करने हेतु लिखा गया है। भविष्य में यदि बिना वैध हाइड्रोस्टेटिक सिलेंडर टेस्टिंग प्रमाण पत्र के वाहनों में सीएनजी भरना पाया जाता है तो संबंधित पंप संचालक के विरुद्ध नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जा सकती है तथा सीएनजी आपूर्ति भी निलंबित की जा सकती है। सार्वजनिक सड़कों पर अवैध या गैर-मानक सीएनजी व हाइड्रो सिलेंडर का उपयोग करना सीधे तौर पर बारूद के ढेर पर बैठने जैसा है। यह न केवल वाहन चालक बल्कि सड़क पर चलने वाले अन्य निर्दोष लोगों की जान के लिए भी गंभीर खतरा है। नियमों से खिलवाड़ करने वाले किसी भी वाहन मालिक या अवैध किट लगाने वाले सेंटरों को बख्शा नहीं जाएगा। जिला परिवहन अधिकारी द्वारा वाहन चालकों एवं आमजन से अपील की गई कि अधिकृत सेंटर सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त और प्रमाणित सेंटरों से ही सीएनजी एलपीजी किट फिट करवाएं। समय पर टेस्टिंग करवाएं, हाइड्रो सिलेंडर की समय-सीमा पूरी होने पर नियमानुसार उसकी प्रेशर टेस्टिंग अनिवार्य रूप से करवाएं आरसी में दर्ज कराएं- वाहन में किसी भी तरह के ईंधन संशोधन को आरटीओ से अपने पंजीयन प्रमाण पत्र में अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं। परिवहन विभाग ने स्पष्ट किया है कि भविष्य में भी अवैध रूप से संचालित ऐसे वाहनों और अनधिकृत सिलेंडर रिफिलिंग/फिटिंग करने वाले वाहनों के खिलाफ यह कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

भाजपा कार्यालय धौलपुर में रविदास जयंती कार्यशाला समरसता संकल्प अभियान की रूपरेखा तय राजवीर राजावत ने की अध्यक्षता

निज संवाददाता

धौलपुर। जिला भाजपा कार्यालय पर एक संत शिरोमणि रविदास जयंती के अवसर पर होने वाले कार्यक्रमों को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन हुआ कार्यक्रम की शुरुआत मां भारती पर पुष्पांजलि अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित कर की गई कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष राजवीर सिंह राजावत ने की कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व विधायक सुखराम कोली, कार्यक्रम संयोजक कमल पहाड़िया, कार्यक्रम सहसंयोजक चतुर सिंह जाटव, जिला उपाध्यक्ष धीर सिंह जादौन, प्रदेश मंत्री युवा मोर्चा बीके कुशवाहा, महिला मोर्चा जिला संयोजक कल्पना शर्मा मंच पर उपस्थित रही कार्यक्रम में बोलते हुए जिला राजीव सिंह राजाबात ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा देश भर में %समरसता संकल्प अभियान% चलाया जा रहा है, जिसकी तैयारियों और रूपरेखा के लिए विभिन्न स्तरों पर समरसता कार्यशालाओं का आयोजन किया गया है।अभियान और कार्यशाला से जुड़ी मुख्य बातेंअभियान अवधि- यह राष्ट्रव्यापी अभियान 29 जुलाई 2026 (गुरु पूर्णिमा) से शुरू होकर 20 फरवरी 2027 (संत रविदास जयंती) तक चलेगा।मुख्य उद्देश्य- संत रविदास के सामाजिक समरसता, समानता, सेवा और भाईचारे के संदेश को बूथ स्तर तक और जन-जन तक पहुंचाना।

पूर्व विधायक सुखराम कोली ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि संत शिरोमणि रविदास जी की भक्ति के चर्चे आदिकाल से चले आ रहे हैं और सदियों तक चलेंगे उन्होंने बताया कि आपका मन साफ है तो भगवान आपकी हमेशा करीब है, वह हमेशा सत्य की राह पर चलने का संदेश देते थे और वह एक सच्चे सनातनी थे, कार्यक्रम संयोजक कमल पहाड़िया ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आगामी कार्यक्रमो की रूपरेखा बताई

प्रमुख चरण- कार्यशालाओं में कलश वंदन अभियान, संत संपर्क, छात्रावास संपर्क एवं समरसता का संदेश दिए जाएंगे, कार्यक्रम को बीके कुशवाहा चतुर सिंह जाटव, धीर सिंह जादौन अपने संबोधित किया एवं कार्यक्रम के अंत में कल्पना शर्मा ने सभी का धन्यवाद दिया इस अवसर पर जिला मंत्री विजय त्यागी, भरतपुर संभाग सह मीडिया प्रभारी मुकेश सक्सेना, सरनीखेड़ा मंडल प्रभारी नंदकिशोर शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष मुश्ताक कुरैशी, जिला परिषद सदस्य प्रीति गोयल, शहर मंडल प्रभारी वाचरम बघेल, प्रदेश अल्पसंख्या सोशल मीडिया प्रभारी नाजिया खान, डॉ मनोज शर्मा, डॉ हेम सिंह लोधा, रविंद्र हटवारी, दिनेश कुशवाहा, रितिक बर्मा, लोकेंद्र चौहान, पूर्व मंत्री जितेंद्र तिवारी, राहुल प्रताप सिंह, अनमोल बंसल, जसवंत कोली, रामप्रसाद बघेल, कार्यालय प्रभारी बृजमोहन शर्मा, शशि त्यागी, नेहा राघव, हाकिम लोधा,आज कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

चेहल्लुम त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की लगाई ड्यूटी

निज संवाददाता

शिवपुरी, 3 अगस्त 2026/ कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार चेहल्लुम शरीफ त्योहार के दौरान 4 एवं 5 अगस्त को ताजियों के चल समारोह एवं विसर्जन तक शिवपुरी जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है।

समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने-अपने अनुभाग की कानून व्यवस्था के प्रभारी रहेंगे तथा अपने स्तर पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की ड्यूटी लगाकर समय-समय पर स्थिति से अवगत कराते रहेंगे। थाना देहात क्षेत्र में संयुक्त कलेक्टर श्री अनुराग निंगवाल, प्रभारी तहसीलदार श्रीमती शिप्रा उपाध्याय एवं नायब तहसीलदार श्री अशोक श्रीवास्तव, थाना फिजीकल क्षेत्र में डिप्टी कलेक्टर श्री शिवदयाल धाकड़, प्रभारी तहसीलदार श्री अनिल धाकड़ एवं नायब तहसीलदार श्री प्रतिपाल तिवारी तथा थाना कोतवाली क्षेत्र में तहसीलदार श्री सिद्धार्थ भूषण शर्मा एवं प्रभारी तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

संपूर्ण शिवपुरी जिले में कानून व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री दिनेश चंद्र शुक्ला रहेंगे। सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने अनुविभागीय दंडाधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे तथा समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी समय-समय पर जिला दंडाधिकारी को स्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

चेहल्लुम पर अकीदत का सैलाब धौलपुर में शांतिपूर्ण माहौल में निकला ताज़िया जुलूस कर्बला में सुपुर्द-ए-ख़ाक हुए ताज़िए

निज संवाददाता

धौलपुर। ताजिया कमेटी के नेतृत्व में धौलपुर शहर में चेहल्लुम-ए-इमाम हुसैन का पारंपरिक ताज़िया जुलूस इस वर्ष भी पूरी अकीदत एहतराम के साथ निकाला गया। कार्यक्रम की शुरुआत 2 अगस्त 2026, रविवार की रात 8 बजे ताज़िए रखने की रस्म से हुई। इसके बाद सोमवार, 3 अगस्त को शाम 4 बजे ताज़ियों और अलम का भव्य जुलूस पारंपरिक मार्ग से रवाना हुआ जुलूस कच्चीकुई से प्रारंभ होकर पुरानी सराय मदीना कॉलोनी फद्दी का चौराहा पटपरा कसाई पाड़ा कोटला बड़ा पीर इटाय पारा पुराना शहर गंज फूटा दरवाज़ा जगन टॉकीज़ दशहरा रोड मोदी तिराहा तलैया रोड और घंटाघर होते हुए कर्बला पहुँचा जहाँ धार्मिक परंपरा के अनुसार ताज़ियों को सुपुर्द ए-ख़ाक किया गया। ताजिया कमेटी ने बताया कि चेहल्लुम-ए-इमाम हुसैन का आयोजन हर वर्ष धार्मिक रीति रिवाजों के अनुसार किया जाता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शामिल होकर हज़रत इमाम हुसैन और कर्बला के शहीदों की महान कुर्बानी को याद किया। पूरे जुलूस के दौरान मातमी माहौल बना रहा वहीं विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने स्वागत लंगर और शर्बत की व्यवस्था कर भाईचारे की मिसाल पेश की जुलूस अनुशासन सौहार्द और आपसी सद्भाव के साथ शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न किया गया सुरक्षा व्यवस्था के लिए धौलपुर पुलिस के पुख्ता इंतजाम रहे। ताजिया कमेटी ने सफल आयोजन में सहयोग देने पर पुलिस प्रशासन का तहेदिल से धन्यवाद दिया।

माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के प्रेरक नेतृत्व में डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय का 92वाँ दीक्षांत समारोह बना शताब्दी वर्ष का ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी पर्व

ज्ञान, संस्कार, नवाचार, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक उत्तरदायित्व का अद्वितीय संगम

79,832 विद्यार्थियों को उपाधियाँ, 64 मेधावियों को 88 पदकों से सम्मानित किया गया विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास 1002 किशोरियों के लिए नि:शुल्क HPV टीकाकरण अभियान बना आकर्षण का केंद्र

निज संवाददाता

आगरा। डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित 92वें दीक्षांत समारोह का आयोजन सोमवार को स्वामी विवेकानंद (खंदारी) परिसर स्थित शिवाजी मण्डपम में अत्यंत गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के प्रेरक नेतृत्व में आयोजित यह समारोह ज्ञान, संस्कार, नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प का भव्य उत्सव बन गया। समारोह का गरिमामय मंच संचालन विश्वविद्यालय के कुलसचिव अजय मिश्रा एवं जनसंपर्क अधिकारी पूजा सक्सेना ने प्रभावपूर्ण ढंग से किया, जिसने पूरे आयोजन को गरिमा, अनुशासन एवं सहज प्रवाह प्रदान किया।

समारोह की शुरुआत उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल एवं विश्वविद्यालय की कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल के आगमन से हुई, जिनका विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. आशु रानी ने पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। कुलपति ने मुख्य अतिथि राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (ह्ष्ट्ञश्व) के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा तथा विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय का भी पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया।

अतिथियों के स्वागत को विशेष एवं आत्मनिर्भर भारत की भावना से जोड़ते हुए गृह विज्ञान संस्थान के होम मैनेजमेंट विभाग में डॉ. प्रीति यादव के नेतृत्व में एम.एससी. की छात्रा हेमांशाली चौधरी तथा बी.एससी. की छात्राओं श्रुति, स्नेहा, अमन एवं श्रेया द्वारा पाइप क्लीनर, टेप, बीड्स, कोरियन पेपर एवं स्पंज से तैयार आकर्षक हस्तनिर्मित फ्लावर बुके माननीय अतिथियों को भेंट किए गए। छात्राओं की इस रचनात्मक एवं पर्यावरण हितैषी पहल की सभी ने मुक्त कंठ से सराहना की।

स्वागत उपरांत माननीय कुलाधिपति सीधे विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित एचपीवी (॥क्क्कू) टीकाकरण केंद्र पहुँचीं, जहाँ उन्होंने काफी समय तक उपस्थित बालिकाओं एवं उनकी माताओं से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगवाने हेतु प्रेरित किया तथा टीकाकरण करा चुकी बालिकाओं को स्वयं प्रमाण-पत्र, पोषण बास्केट एवं चॉकलेट वितरित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर उन्होंने पूरे आगरा जनपद में सफलतापूर्वक संचालित एचपीवी टीकाकरण अभियान के लिए मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव को प्रशस्ति प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनके प्रयासों की सराहना की। तत्पश्चात कुलाधिपति ने विद्या परिषद एवं कार्य परिषद के सदस्यों के साथ समूह छायाचित्र कराया तथा पारंपरिक शोभायात्रा के साथ समारोह स्थल पहुँचीं, जहाँ वंदे मातरम् के साथ दीक्षांत समारोह का विधिवत शुभारम्भ हुआ।

उपलब्धियों का उत्सव, भविष्य का संकल्प

कुलपति प्रो. आशु रानी ने विश्वविद्यालय का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उपलब्धियों, अनुसंधान, नवाचार, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विश्वविद्यालय की प्रगति, विद्यार्थियों को प्रदान की जाने वाली उपाधियों तथा भविष्य की विकास योजनाओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय शिक्षा को केवल ज्ञानार्जन तक सीमित न रखकर उसे नवाचार, सामाजिक उत्तरदायित्व, कौशल विकास एवं मानवीय मूल्यों से जोड़ने की दिशा में निरंतर अग्रसर है।

79,832 विद्यार्थियों को मिली उपाधियाँ

इस वर्ष विश्वविद्यालय द्वारा कुल 79,832 विद्यार्थियों को उपाधियाँ प्रदान की गईं। इनमें 55,686 स्नातक, 9,150 स्नातकोत्तर, 14,826 प्रोफेशनल पाठ्यक्रम, 167 पीएच.डी. तथा 03 डी.लिट्. की उपाधियाँ शामिल रहीं।

शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए 64 मेधावी विद्यार्थियों को कुल 88 स्वर्ण, रजत एवं अन्य पदकों से सम्मानित किया गया। इनमें 46 छात्राएँ एवं 18 छात्र शामिल रहे, जिसने उच्च शिक्षा में बेटियों की बढ़ती भागीदारी एवं उत्कृष्ट प्रदर्शन को एक बार पुनः प्रमाणित किया।

पारंपरिक हस्तशिल्प एवं ग्रामीण उद्यमिता के संरक्षण में उल्लेखनीय योगदान के लिए पश्चिम बंगाल के प्रसिद्ध गोल्डन ग्रास (मदुर) शिल्पकार श्री अरधेंदु शेखर दास को विश्वविद्यालय की मानद उपाधि से अलंकृत किया गया।

शिक्षा के साथ सामाजिक सरोकार

दीक्षांत समारोह केवल उपाधियों के वितरण तक सीमित नहीं रहा। इस अवसर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रियों को उपयोगी किट वितरित की गईं तथा

प्राथमिक विद्यालयों को पुस्तकें प्रदान कर शिक्षा के सामाजिक विस्तार का संदेश दिया गया।

विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल के विद्यार्थियों ने ÷पर्यावरण गीत÷ पर मनोहारी सांस्कृतिक प्रस्तुति देकर पर्यावरण संरक्षण का प्रेरक संदेश दिया।

विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास

समारोह के दौरान माननीय कुलाधिपति श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने विश्वविद्यालय की अनेक महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

लोकार्पित परियोजनाओं में विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल का जीर्णोद्धार, मियावाकी (निधिवन) परियोजना, चाणक्य सदन एवं अतिथि गृह का एकीकरण, सुल्तानगंज परिसर में शताब्दी भवन (सेंटर फॉर लीगल एजुकेशन), कणाद हाई-टेक इंस्ट्रूमेंटेशन सेंटर, आंबेडकर प्रतिमा स्थल का नवीनीकरण तथा छलेसर परिसर में सुभाष चन्द्र बोस मुख्य द्वार, लॉन टेनिस कोर्ट एवं सड़क निर्माण कार्य प्रमुख रहे।

इसके साथ ही खंदारी परिसर स्थित आंबेडकर भवन तथा टीचर्स होम (12 आवास) के जीर्णोद्धार का शिलान्यास भी किया गया।

डॉक्यूमेंट्री से डिजिटल डिग्री तक

समारोह में विश्वविद्यालय के सामुदायिक रेडियो 90.4 ÷आगरा की आवाज़÷ द्वारा विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष एवं दीक्षोत्सव पर आधारित विशेष डॉक्यूमेंट्री तथा लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया, जिसने विश्वविद्यालय की गौरवशाली शताब्दी यात्रा को सजीव रूप में प्रस्तुत किया।

राष्ट्रीय शैक्षणिक डिपॉजिटरी (ह्वष्ठ) के माध्यम से डिजिटल डिग्री का लाइव प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अतिरिक्त ॥ष्ठस्नष्ट बैंक के ष्टस्क्र सहयोग, शिक्षकों की पुस्तकों के लोकार्पण, चार उत्कृष्ट शिक्षकों के सम्मान तथा ॥क्क्कू जागरूकता अभियान में सहयोग देने वाले प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों को सम्मानित कर विश्वविद्यालय ने शिक्षा के साथ सामाजिक उत्तरदायित्व को भी नई ऊँचाई प्रदान की।

खिलाड़ियों का विशेष सम्मान

राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विश्वविद्यालय के खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया गया। अखिल भारतीय विश्वविद्यालय प्रतियोगिताओं, खेलो इंडिया एवं नॉर्थ जोन प्रतियोगिताओं के स्वर्ण पदक विजेताओं को 1.05 लाख रुपये, रजत पदक विजेताओं को 50 हजार रुपये तथा कांस्य पदक विजेताओं को कुल 4.20 लाख रुपये की नकद धनराशि एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए गए।

÷शिक्षा का अंत नहीं, संस्कारों की शुरुआत है÷ — योगेंद्र उपाध्याय

विशिष्ट अतिथि एवं प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि आगरा वीरता, संस्कृति और गौरव की भूमि है, जहाँ से छत्रपति शिवाजी महाराज के शौर्य का संदेश मिलता है तथा डॉ. भीमराव आंबेडकर के समानता, शिक्षा एवं सामाजिक न्याय के विचारों को यह विश्वविद्यालय आगे बढ़ा रहा है।

उन्होंने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षा का अंत हो सकता है, किंतु शिक्षा का कभी अंत नहीं होता। उन्होंने पदक विजेताओं को बधाई देते हुए अन्य विद्यार्थियों से निराश न होने का आह्वान किया तथा कहा कि सतत प्रयास ही सफलता की कुंजी है। उन्होंने संस्कारयुक्त शिक्षा, अभिव्यक्ति की मर्यादा, सामाजिक उत्तरदायित्व एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नशामुक्त भारत अभियान से जुड़कर राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनने का आह्वान किया।

÷राष्ट्रीय शिक्षा नीति संस्कारित भारत का आधार÷ — प्रो. पंकज अरोड़ा

मुख्य अतिथि एवं राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (ह्ष्ट्ञश्व) के अध्यक्ष प्रो. पंकज अरोड़ा ने कहा कि विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष केवल समय का पड़ाव नहीं, बल्कि गौरवशाली विरासत का प्रतीक है। उन्होंने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को ज्ञान एवं संस्कार का संतुलित मॉडल बताते हुए विद्यार्थियों से जीवनपर्यंत सीखते रहने, नवाचार अपनाने, कृत्रिम बुद्धिमत्ता का नैतिक उपयोग करने तथा राष्ट्रहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आह्वान किया।

उन्होंने विद्यार्थियों को पाँच संदेश दिए—जीवन भर सीखते रहें, ऐसी सफलता चुनें जिससे राष्ट्र आगे बढ़े, नवाचार अपनाएँ, तकनीक के साथ नैतिक मूल्यों को सुदृढ़ रखें तथा प्रत्येक कार्य में देश को सर्वोपरि मानें।

÷बेटियों की सफलता समाज के उज्ज्वल भविष्य का संकेत÷ — आनंदीबेन पटेल

अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलाधिपति एवं राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने डॉ. भीमराव आंबेडकर के शिक्षित, संगठित एवं संघर्षशील समाज के विचारों का स्मरण करते हुए कहा कि विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को केवल डिग्री नहीं, बल्कि जीवन की दिशा प्रदान कर रहा है।

उन्होंने छात्राओं की उल्लेखनीय सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि बड़ी संख्या में बेटियों का पदक प्राप्त करना समाज में सकारात्मक परिवर्तन का संकेत है। उन्होंने छात्राओं से आत्मनिर्भर, आत्मविश्वासी एवं सशक्त बनने का आह्वान किया।

अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि स्वस्थ एवं सशक्त समाज के निर्माण के लिए जनजागरूकता सबसे महत्वपूर्ण है। उन्होंने 14 से 15 वर्ष की बालिकाओं को सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन लगाए जाने के अभियान को भविष्य की पीढ़ी के स्वास्थ्य की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया तथा अभिभावकों से इसमें सहयोग करने का आह्वान किया। उन्होंने नियमित स्वास्थ्य परीक्षण, संतुलित जीवनशैली, समय पर टीकाकरण, बेटियों को कौशल आधारित शिक्षा, नशामुक्त समाज तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण और पौधों की देखभाल का भी संदेश दिया।

उन्होंने विश्वविद्यालय के उत्कृष्ट कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि उत्कृष्ट कार्यों के मार्ग में आलोचनाएँ स्वाभाविक हैं, किंतु उनसे विचलित हुए बिना निरंतर आगे बढ़ना ही सफलता का मार्ग है। उन्होंने विदेशी विद्यार्थियों की बढ़ती रुचि तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में विश्वविद्यालय की प्रगति को संस्थान की गुणवत्ता का प्रमाण बताया।

महिला स्वास्थ्य जागरूकता की अनुकरणीय पहल

दीक्षोत्सव के अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में माननीय कुलाधिपति के मार्गदर्शन में महिला स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता को समर्पित विशेष एचपीवी (॥क्क्कू) टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

माननीय कुलपति प्रो. आशु रानी, स्वास्थ्य विभाग एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अरुण कुमार श्रीवास्तव के सहयोग से 14 से 15 वर्ष आयु वर्ग की 1002 बालिकाओं के लिए निःशुल्क सर्वाइकल कैंसर रोधी एचपीवी टीकाकरण किया गया। टीकाकरण कराने वाली सभी बालिकाओं को कुलाधिपति द्वारा प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। यह विशेष अभियान स्वास्थ्य विभाग, आगरा द्वारा पूरे जनपद में विशेष रूप से संचालित किया गया।

स्वास्थ्य के साथ पोषण पर भी विशेष ध्यान दिया गया। गृह विज्ञान संस्थान के आहार एवं पोषण विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. अर्चना सिंह के संरक्षण तथा डॉ. दीप्ति सिंह एवं डॉ. प्रिया यादव के पर्यवेक्षण में छात्राओं ने ICMR-NIN के मानकों के अनुरूप विशेष %पोषण बास्केट% तैयार की। इसमें रागी न्यूट्री बिस्किट, मोरिंगा सोरघम मठरी, चोको नट कैंडी, आंवला कैंडी, कैरामेलाइज़्ड गुड़ मखाना, हेल्दी शिकंजी एवं पोटैटो चिप्स शामिल थे। यह पौष्टिक सामग्री टीकाकरण कराने वाली बालिकाओं को उपहार स्वरूप प्रदान की गई। इस पहल में हेमांशाली, मोहित, नेहा, श्रेया, दिव्याश, गरिमा एवं सोनिया का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

इस टीकाकरण शिविर में विश्वविद्यालय मॉडल स्कूल, विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की बालिकाओं तथा विवेकानंद स्कूल की छात्राओं ने सहभागिता की।

एचपीवी टीकाकरण शिविर की संयोजिका प्रो. अचला गक्खर रहीं। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में पूजा सक्सेना, डॉ. अनुपमा गुप्ता, डॉ. स्वेतलाना, डॉ. सौरभ निषाद, डॉ. रेखा शर्मा, प्रो. वंदना अग्रवाल, प्रो. पूनम सिंह, डॉ. पूनम तिवारी, डॉ. रत्ना पांडे, डॉ. मोनिका अस्थाना तथा डॉ. अंकिता महेश्वरी का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

मंडल रेल प्रबंधक ने रेलवे वेतन पैकेज के अंतर्गत दिवंगत रेल कर्मचारी के परिजन को 1 करोड़ की बीमा राशि का चेक सौंपा

रेलवे कर्मचारियों के कल्याण के प्रति भारतीय रेलवे की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण

निज संवाददाता

रेलवे कर्मचारियों के सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा कवच को सुदृढ़ बनाने की दिशा में आगरा मंडल द्वारा रेलवे वेतन पैकेज के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण पहल की गई। आगरा मंडल का भारतीय स्टेट बैंक (स्क्चढ्ढ) के साथ रेलवे वेतन पैकेज के तहत वेतन खातों के संचालन के लिए समझौता (एमओयू) है, जिसके माध्यम से कर्मचारियों को बैंक द्वारा अनेक विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इनमें ऑन-ड्यूटी दुर्घटना में कर्मचारी की मृत्यु होने पर ?1 करोड़ तक की दुर्घटना बीमा दावा राशि भी शामिल है।

आगरा मंडल के परिचालन विभाग में मुख्य कंट्रोलर के पद पर कार्यरत स्वर्गीय श्री चन्द्र प्रकाश मीना का ड्यूटी के दौरान आकस्मिक निधन हो गया था। वे भारतीय स्टेट बैंक के रेलवे वेतन पैकेज के अंतर्गत वेतन प्राप्त कर रहे थे। उनके निधन के उपरांत आगरा मंडल के कार्मिक विभाग के हित अनुभाग द्वारा बीमा दावा प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक औपचारिकताएं समयबद्ध ढंग से पूर्ण कर भारतीय स्टेट बैंक से दावा स्वीकृत कराने की प्रक्रिया पूरी कराई गई। इस कार्य में कार्मिक अधिकारियों एवं क्षेत्रीय कल्याण निरीक्षकों ने परिजनों को प्रत्येक आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई।

सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूर्ण होने के पश्चात आज दिनांक 03 अगस्त 2026 को मंडल रेल प्रबंधक श्री गगन गोयल ने भारतीय स्टेट बैंक द्वारा स्वीकृत ?1 करोड़ की दुर्घटना बीमा दावा राशि का चेक दिवंगत कर्मचारी की पत्नी श्रीमती खेलबाई मीना को सौंपा तथा परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की।

इस अवसर पर मंडल रेल प्रबंधक ने कहा कि रेलवे वेतन पैकेज कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के लिए सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने अधिकारियों से अधिकाधिक कर्मचारियों को रेलवे वेतन पैकेज के अंतर्गत वेतन खाते खुलवाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर कर्मचारी एवं उनके परिवार इस प्रकार की महत्वपूर्ण वित्तीय सुरक्षा का लाभ प्राप्त कर सकें।

इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री अरुण सिंह तोमर, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक (समन्वय) श्री कुलदीप मीना, भारतीय स्टेट बैंक के शाखा प्रबंधक श्री नितिन अग्रवाल, मुख्य प्रचार निरीक्षक श्री मोहन मीना, मुख्य कल्याण एवं हित निरीक्षक श्री प्रवीण कुमार तथा मुख्य कल्याण एवं हित निरीक्षक श्री दिनेश कुमार मीना सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

यह पहल रेलवे कर्मचारियों एवं उनके परिवारों के कल्याण के प्रति भारतीय रेलवे की संवेदनशीलता, सामाजिक सुरक्षा तथा कर्मचारी हितों के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को प्रतिबिंबित करती है।

आगरा मंडल में माह जुलाई-2026 के दौरान 108 रेकों की लोडिंग से 37.06 करोड़ का राजस्व अर्जित

निज संवाददाता

मंडल रेल प्रबंधक, आगरा श्री गगन गोयल के मार्गदर्शन में आगरा मंडल ने जुलाई 2026 के दौरान माल परिवहन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कुल 108 रेकों की लोडिंग से ?37.06 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। मंडल द्वारा विभिन्न वस्तुओं के सुचारु एवं समयबद्ध परिवहन के माध्यम से माल ढुलाई में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की गई।

जुलाई माह में इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन, बाद से क्क्रु की 75 रेकों का लदान किया गया, जिससे ?32.80 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ। इसके अतिरिक्त बीओसी बाद से बिटुमेन की 1 रेक का लदान कर ?46.51 लाख, ढ्ढष्टष्ठ से कंटेनर की 11 रेकों का लदान कर ?92.69 लाख तथा गोविंदगढ़ से बैलास्ट की 4 रेकों का लदान कर ?92.70 लाख का राजस्व अर्जित किया गया।

इसी अवधि में मथुरा से ई-ऑयल की 2 रेकों का लदान कर ?13.82 लाख तथा झाड़ोली का बास से बैलास्ट की 1 रेक का लदान कर ?18.30 लाख का राजस्व प्राप्त हुआ।

पीसमील लदान के अंतर्गत रामगढ़ से ई-ऑयल के 25 वैगन एवं डीओसी के 1 वैगन का लदान कर ?23.03 लाख तथा यमुना ब्रिज से ई-ऑयल के 1 वैगन का लदान कर ?87,191 का राजस्व अर्जित किया गया।

आगरा मंडल ग्राहकों को सुरक्षित, समयबद्ध एवं विश्वसनीय माल परिवहन सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयासरत है। आधुनिक परिचालन व्यवस्था, बेहतर समन्वय एवं ग्राहक-केंद्रित कार्यप्रणाली के माध्यम से मंडल माल लदान एवं राजस्व में निरंतर वृद्धि की दिशा में कार्य कर रहा है।

जनपद आगरा के किसान भाईयों को कृषि यंत्र पाने का सुनहरा अवसर, 10 अगस्त तक करें ऑनलाइन आवेदन, उठाएं लाभ

कृषि विभाग ने बढ़ाई यंत्र बुकिंग की अंतिम तिथि, एग्रीगेटर, ड्रोन, कस्टम हायरिंग सेंटर सहित कई योजनाओं का मिलेगा लाभ

50त्न तक अनुदान पर कृषि यंत्र पाने का मौका, किसान भाई विभागीय पोर्टल पर करें प्री-बुकिंग

निज संवाददाता

आगरा.03.08.2026 / उपनिदेशक कृषि श्री मुकेश कुमार ने जनपद आगरा के समस्त किसान भाईयों को सूचित करते हुए अवगत कराया है कि कृषि विभाग में संचालित विभिन्न योजनान्तर्गत एग्रीगेटर, कस्टम हायरिंग सेन्टर, मशीनरी बैंक, कृषि ड्रोन, आयल एक्सट्रैक्शन यूनिट (10 टन क्षमता) एवं मिनी ऑयल एक्सट्रैक्शन यूनिट, दाल मिल एवं अन्य एकल कृषि यंत्र/ कृषि रक्षा उपकरण के आवेदन हेतु बुकिंग विस्तारित करते हुए दिनांक-16-07-2026 को दोपहर 12ः00 बजे से दिनांक 10-08-2026 रात्रि 12ः00 बजे तक की जायेगी। टोकन/प्री बुकिंग हेतु विभागीय वेबसाइड ("agriculture.up.gov.in") पर ÷यंत्र बुकिंग प्रारम्भ÷ लिंक पर क्लिक कर आनलाइन आवेदन किया जा सकता है।

1 समस्त प्रकार के फसल अवशेष प्रबन्धन वाले कृषि यंत्रों पर अधिकतम 50त्न या निर्धारित अधिकतम धनराशि दोंनों में जो कम हो अनुदान अनुमन्य होगा।

2 योजनान्तर्गत कृषि यंत्रों हेतु पंजीकृत कृषक एवं कस्टम हायरिंग सेन्टर हेतु ग्रामीण उद्यमी एवं फार्म मशीनरी बैंक हेतु एफ0पी0ओ0 आवदेन कर सकते हैं।

3 आवेदन के समय ही कृषक को यंत्रवार निर्धारित जमानत धनराशि आनलाइन जमा करनी होगी।

4 रू0 10000/- से अधिक एवं रू0 100000/-- तक अनुदान के कृषि यंत्रों हेतु जमानत धनराशि रू0 2500/-होगी। रू0 100000/- ((रू0 एक लाख मात्र) से अधिक अनुदान के कृषि यंत्रों हेतु जमानत धनराशि रू0 5000/- होगी।

5 यंत्रों की बुकिंग/आवेदन विभागीय पोर्टल "agriculture.up.gov.in" पर ऑनलाइन विकासखण्डवार की जायेगी।

6 एग्रीगेटर (परियोजना रू0 100-00 लाख) एवं शुगरकेन हार्वेस्टर सेल्फ प्रोपेल्ड की बुकिंग/आवेदन विभागीय पोर्टल "agriculture.up.gov.in" पर ऑनलाइन राज्य स्तर पर की जायेगी।

7 लाभार्थियों का चयन/बुकिंग टोकन कन्फर्म होने की तिथि से कृषि यन्त्र कय कर (कस्टम हायरिंग सेन्टर एवं फार्म मशीनरी बैंक भी सम्मिलित), क्रय रसीद यन्त्र की फोटो एवं सम्बन्धित अभिलेख अधिकतम 10 दिन अथवा उससे पूर्व विभागीय पोर्टल ("agriculture.up.gov.in") एवं upyantratracking-in पर अपलोड करना अनिवार्य होगा।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल जी की गरिमामई उपस्थिति में आरबीएस डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम में एकदिवसीय प्रधानाचार्य कार्यशाला का हुआ आयोजन

निज संवाददाता

आगरा.03.08.2026/प्रादेशिक मुख्य आयुक्त डॉ प्रभात कुमार (IAS Retd) जी के निर्देशन एवं मार्गदर्शन में भारत स्काउट एवं गाइड, जनपद आगरा द्वारा आरबीएस डिग्री कॉलेज के ऑडिटोरियम में एकदिवसीय प्रधानाचार्य कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला में सीबीएसई एवं उत्तर प्रदेश बोर्ड के 312 प्रधानाचार्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिलाधिकारी श्री मनीष बंसल ने सभी विद्यालयों में भारत स्काउट एवं गाइड की यूनिट स्थापित एवं सक्रिय रूप से संचालित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्काउट-गाइड विद्यार्थियों में सेवा, संस्कार, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सहनशीलता एवं राष्ट्रप्रेम की भावना का विकास करता है। स्काउट-गाइड का स्वयंसेवक एक जिम्मेदार, अनुशासित एवं सेवाभावी नागरिक बनकर समाज और राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिला मुख्य आयुक्त डॉ. अनिल कुमार वशिष्ठ ने पीपीटी के माध्यम से भारत स्काउट एवं गाइड की गतिविधियों, उद्देश्यों तथा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला तथा सभी प्रधानाचार्यों से अपने-अपने विद्यालयों में स्काउट-गाइड गतिविधियों को सक्रिय रूप से संचालित करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में डायट प्राचार्य विजय प्रताप सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक रविन्द्र पाल तोमर, जिला विद्यालय निरीक्षक (बालिका शिक्षा) बी.पी. सिंह तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. राकेश सिंह ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया।

गजानन माधव मुक्तिबोध की नगरी श्योपुर में सजी साहित्य की महफ़िल

गुरु पूर्णिमा पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद की मासिक काव्य गोष्ठी में गूंजे गीत, ग़ज़ल, व्यंग्य और ओजस्वी काव्य

निज संवाददाता

श्योपुर। गजानन माधव मुक्तिबोध की साहित्यिक नगरी श्योपुर में गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर रविवार को अखिल भारतीय साहित्य परिषद के तत्वावधान में सरस्वती शिशु मंदिर, शिवपुर में मासिक काव्य गोष्ठी का गरिमामय आयोजन किया गया। साहित्य, संस्कृति और भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा को समर्पित इस आयोजन में जिले के प्रतिष्ठित कवियों, साहित्यकारों, समाजसेवियों एवं साहित्य प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। गोष्ठी की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. ओ.पी. शर्मा %अमन% ने की, जबकि समाजसेवी कैलाश पाराशर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन कवि कमल राठौर %साहिल% ने किया।

काव्य गोष्ठी का शुभारंभ जिला चिकित्सालय शिवपुर में पदस्थ डॉ. संजय कुमार शाक्य की भावपूर्ण सरस्वती वंदना से हुआ। उनकी मधुर प्रस्तुति ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

इसके बाद सहायक जिला आबकारी अधिकारी डॉ. लोकेश तिवारी ने श्रृंगार रस से ओतप्रोत अपनी रचनाओं से श्रोताओं का मन मोह लिया। वहीं कवि विष्णु कुमार जांगिड़ %मंथन% ने माँ की महिमा, मातृभूमि और मिट्टी के महत्व पर आधारित संवेदनशील रचनाएँ प्रस्तुत कर खूब सराहना बटोरी।

अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. ओ.पी. शर्मा %अमन% ने गुरु पूर्णिमा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरु-शिष्य परंपरा का स्मरण कराया और भगवान श्रीकृष्ण तथा गुरु संदीपनि के प्रसंगों को अपनी काव्य रचना के माध्यम से भावपूर्ण ढंग से प्रस्तुत किया।

विशिष्ट अतिथि कैलाश पाराशर ने अपने व्यंग्यात्मक अंदाज में सामाजिक विसंगतियों और ग्रामीण व्यवस्था पर तीखे व्यंग्य प्रस्तुत किए, जिन्हें श्रोताओं ने खूब सराहा।

कार्यक्रम के अंतिम चरण में मंच संचालक कमल राठौर %साहिल% ने ओजपूर्ण कविताओं के माध्यम से युवाओं में संघर्ष, आत्मविश्वास और राष्ट्रप्रेम का संदेश दिया। उनकी प्रस्तुति ने पूरे सभागार में जोश और उत्साह का वातावरण बना दिया।

समापन अवसर पर विष्णु कुमार जांगिड़ %मंथन% ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी साहित्यकारों, विशिष्ट अतिथियों, पत्रकारों एवं श्रोताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने विशेष रूप से डॉ. भारत भूषण, संगीता गुप्ता तथा उपस्थित पत्रकार साथियों का अभिनंदन करते हुए साहित्य और समाज के बीच मजबूत संवाद बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर आयोजित यह काव्य गोष्ठी साहित्य, संस्कृति और भारतीय परंपराओं के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। देर शाम तक चले इस आयोजन में कविता, गीत, व्यंग्य और ओजस्वी रचनाओं की गूंज से पूरा सभागार साहित्यिक रस में सराबोर रहा।

दतिया उपचुनाव परिणाम पर कांग्रेस का हमला, भाजपा के चुनावी मॉडल पर उठाए सवाल

निज संवाददाता

श्योपुर। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मोहम्मद मुजफ्फर सिद्दीकी (बबलू) ने दतिया उपचुनाव के परिणाम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि यह जनादेश केवल एक विधानसभा सीट का परिणाम नहीं, बल्कि प्रदेश की बदलती राजनीतिक सोच का संकेत है।

उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वर्षों से जिस चुनावी मॉडल का प्रचार करती रही, दतिया की जनता ने उसे नकार दिया है। उनके अनुसार, बड़े चुनावी दावों और व्यापक प्रचार-प्रसार के बावजूद भाजपा मतदाताओं का विश्वास जीतने में सफल नहीं हो सकी, जबकि कांग्रेस ने जनता के मुद्दों और कार्यकर्ताओं की मेहनत के दम पर जीत दर्ज की।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा ने चुनाव को प्रबंधन और प्रचार का माध्यम बनाया, जबकि कांग्रेस ने जनता की समस्याओं को प्रमुखता दी। उन्होंने दावा किया कि मतदाताओं ने महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, पेपर लीक, कानून-व्यवस्था और आम जनता से जुड़े मुद्दों को ध्यान में रखते हुए अपना जनादेश दिया है।

मोहम्मद मुजफ्फर सिद्दीकी ने कहा कि दतिया का परिणाम भाजपा के लिए एक चेतावनी और कांग्रेस के लिए बड़ी जिम्मेदारी है। उन्होंने इसे कांग्रेस कार्यकर्ताओं के संघर्ष, पार्टी नेतृत्व पर जनता के विश्वास और लोकतांत्रिक मूल्यों की जीत बताया।

उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में अंतिम निर्णय जनता का होता है और दतिया की जनता ने अपने मतदान के माध्यम से स्पष्ट संदेश दिया है कि केवल सत्ता, संसाधनों और प्रचार के आधार पर जनता का विश्वास नहीं जीता जा सकता।

(यह बयान मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता मोहम्मद मुजफ्फर सिद्दीकी द्वारा जारी प्रेस वक्तव्य पर आधारित है।)

मूंझरी वृहद सिंचाई परियोजना को मिली बड़ी मंजिल, बांध निर्माण के लिए पर्यावरण मंत्रालय की स्वीकृति

स्टेज-2 प्रक्रिया पूरी होते ही शुरू होगा निर्माण कार्य, 414.79 करोड़ की परियोजना से 11,575 हेक्टेयर भूमि होगी सिंचित

निज संवाददाता

श्योपुर। लंबे समय प्रतीक्षित मूंझरी वृहद सिंचाई परियोजना को बड़ी प्रशासनिक सफलता मिली है। परियोजना अंतर्गत मूंझरी बांध निर्माण के लिए भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 22 जुलाई 2026 को आवश्यक पर्यावरणीय स्वीकृति जारी कर दी गई है। इससे वर्षों से परियोजना के धरातल पर उतरने का इंतजार कर रहे बड़ौदा एवं कराहल क्षेत्र के किसानों में नई उम्मीद जगी है।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चैतन्य चौहान ने बताया कि परियोजना के अंतर्गत आने वाली 740.159 हेक्टेयर वन भूमि के लिए स्टेज-1 (सैद्धांतिक) स्वीकृति 15 अप्रैल 2026 को प्राप्त हो चुकी थी। वर्तमान में स्टेज-2 की वैधानिक प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने बताया कि जैसे ही स्टेज-2 की कार्रवाई पूरी होगी, अनुबंधित निर्माण एजेंसी द्वारा बांध निर्माण का कार्य तत्काल प्रारंभ कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि लगभग 414.79 करोड़ रुपये की लागत से अहेली नदी पर मूंझरी के निकट बनने वाला यह वृहद सिंचाई बांध श्योपुर जिले के कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। परियोजना के माध्यम से बड़ौदा एवं कराहल तहसील के 11,575 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई प्रणाली के जरिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी, जिससे किसानों को आधुनिक और जल संरक्षण आधारित सिंचाई का लाभ मिलेगा।

परियोजना केवल सिंचाई तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पेयजल उपलब्धता को भी मजबूत करेगी। इसके तहत 4.56 मिलियन घन मीटर पानी पेयजल के लिए आरक्षित रखा जाएगा, जिससे क्षेत्र के लगभग एक लाख लोगों को स्वच्छ एवं नियमित पेयजल उपलब्ध कराने का मार्ग प्रशस्त होगा।

जल संसाधन विभाग का मानना है कि मूंझरी वृहद सिंचाई परियोजना के पूर्ण होने से कृषि उत्पादन में वृद्धि, भूजल स्तर में सुधार, सिंचाई पर निर्भरता कम होने तथा क्षेत्र के समग्र आर्थिक एवं सामाजिक विकास को नई गति मिलेगी। लंबे समय से प्रतीक्षित इस परियोजना के निर्माण कार्य शुरू होने की दिशा में अब महत्वपूर्ण प्रशासनिक बाधाएं दूर होती दिखाई दे रही हैं।

चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना की पाइपलाइन टेस्टिंग शुरू, किसानों से सहयोग की अपील

जीएम-1, जीएम-2 और जीएम-3 में पानी प्रवाहित कर लीकेज की हो रही जांच, रबी सिंचाई के लिए तैयार की रही व्यवस्था

निज संवाददाता

श्योपुर। चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना को सुचारू रूप से संचालित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जल संसाधन विभाग ने कमांड क्षेत्र में बिछाई गई पाइपलाइन की टेस्टिंग का कार्य प्रारंभ कर दिया है। गत 27 जुलाई से परियोजना के विभिन्न सेक्शनों में पानी प्रवाहित कर पाइपलाइन, एयर वाल्व एवं अन्य संरचनाओं की जांच की जा रही है, ताकि रबी सीजन से पहले किसी भी प्रकार की तकनीकी खामी को दूर किया जा सके।

जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री चैतन्य चौहान ने बताया कि परियोजना के जीएम-1, जीएम-2 एवं जीएम-3 क्षेत्रों में पानी छोड़कर पूर्व में कराए गए सुधार कार्यों का परीक्षण किया जा रहा है। टेस्टिंग के दौरान जहां भी पाइपलाइन में लीकेज अथवा अन्य तकनीकी समस्या सामने आ रही है, वहां निर्माण एजेंसी द्वारा तत्काल मरम्मत एवं सुधार कार्य कराया जा रहा है, जिससे भविष्य में किसानों को निर्बाध सिंचाई सुविधा मिल सके।

उन्होंने कहा कि यह परियोजना क्षेत्र के किसानों के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इसके सफल संचालन में किसानों की सहभागिता भी आवश्यक है। उन्होंने कमांड क्षेत्र के सभी किसानों से अपील की कि सिंचाई कनेक्शन के लिए लगाए गए एयर वाल्व एवं ओएमएस बॉक्स को सुरक्षित रखें तथा किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने में विभाग का सहयोग करें।

कार्यपालन यंत्री ने किसानों को सलाह दी कि परियोजना की मुख्य पाइपलाइन के समीप ट्यूबवेल का खनन न करें तथा अपने खेतों में निजी पाइपलाइन बिछाते समय परियोजना की पाइपलाइन को नुकसान न पहुंचे, इसका विशेष ध्यान रखें। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सिंचाई के लिए पानी केवल ओएमएस बॉक्स से दिए गए अधिकृत आउटलेट के माध्यम से ही लिया जाए तथा किसी भी स्थिति में ओएमएस बॉक्स को स्वयं खोलने या उसमें छेड़छाड़ करने का प्रयास न किया जाए।

उन्होंने बताया कि चंबल सूक्ष्म सिंचाई परियोजना का उद्देश्य किसानों को रबी फसलों की सिंचाई के लिए नियमित एवं पर्याप्त जल उपलब्ध कराना है। वर्तमान में चल रही टेस्टिंग प्रक्रिया पूरी होने के बाद परियोजना को और अधिक प्रभावी एवं सुरक्षित तरीके से संचालित किया जाएगा, जिससे कमांड क्षेत्र के किसानों को समय पर सिंचाई का लाभ मिल सके।

9 अगस्त को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने सहित छह सूत्रीय मांगों को लेकर राष्ट्रपति के नाम सौंपा जाएगा ज्ञापन

जिला कांग्रेस ने विश्व आदिवासी दिवस, आदिवासी विद्यार्थियों के हित और छात्रावासों के निजीकरण के मुद्दे उठाए

निज संवाददाता

श्योपुर। विश्व आदिवासी दिवस (9 अगस्त) को राष्ट्रीय अवकाश घोषित करने तथा आदिवासी समाज एवं विद्यार्थियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी श्योपुर ने राष्ट्रपति के नाम छह सूत्रीय मांगपत्र तैयार किया है। यह ज्ञापन जिला कलेक्टर के माध्यम से भारत सरकार को प्रेषित किया जाएगा।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल बैरवा (फौजी) ने जारी ज्ञापन में कहा है कि 9 अगस्त को संयुक्त राष्ट्र द्वारा विश्वभर में विश्व आदिवासी दिवस मनाया जाता है। विश्व की सबसे बड़ी आदिवासी आबादी वाले देशों में शामिल है और आदिवासी समाज ने स्वतंत्रता संग्राम, पर्यावरण संरक्षण, जल-जंगल-जमीन की रक्षा तथा राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। भगवान बिरसा मुंडा, टंट्या भील, रानी दुर्गावती, शंकर शाह-रघुनाथ शाह, वीर नारायण सिंह, सिद्धू-कान्हू और तिलका मांझी जैसे अनेक आदिवासी वीरों के योगदान का उल्लेख करते हुए ज्ञापन में उनके सम्मान में राष्ट्रीय स्तर पर विशेष पहल की मांग की गई है।

ज्ञापन में प्रमुख मांग की गई है कि 9 अगस्त %विश्व आदिवासी दिवस% को पूरे देश में राष्ट्रीय एवं सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। साथ ही सभी शासकीय एवं शैक्षणिक संस्थानों में आदिवासी इतिहास, संस्कृति और स्वतंत्रता संग्राम में आदिवासी वीरों के योगदान पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाएं तथा उनके जीवन और संघर्ष को विद्यालय एवं महाविद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रभावी रूप से शामिल किया जाए।

कांग्रेस ने आदिवासी संस्कृति, भाषा और परंपराओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की भी मांग की है।

ज्ञापन में मध्यप्रदेश के आदिवासी छात्रावासों एवं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के निजीकरण अथवा आउटसोर्सिंग/पीपीपी मॉडल के किसी भी प्रस्ताव को निरस्त करने की मांग उठाई गई है। कांग्रेस का कहना है कि इन संस्थानों का संचालन शासन के प्रत्यक्ष नियंत्रण में ही जारी रखा जाए, ताकि विद्यार्थियों की शिक्षा, सुरक्षा और गुणवत्ता से कोई समझौता न हो। साथ ही रिक्त पदों पर नियमित नियुक्तियां करने तथा विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण भोजन, सुरक्षित आवास, आधुनिक प्रशिक्षण एवं अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग भी की गई है।

ज्ञापन में यह मांग भी शामिल है कि हर वर्ष 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर विशेष रूप से आदिवासी बहुल क्षेत्रों में सभी प्रकार की शराब की दुकानों को बंद रखा जाए, जिससे समाज अपने गौरवपूर्ण पर्व को शांति, सम्मान और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मना सके।

जिला कांग्रेस ने राष्ट्रपति से उपरोक्त सभी मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर आदिवासी समाज एवं विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करने का आग्रह किया है।

ज्ञापन पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष मांगीलाल बैरवा (फौजी) सहित योगेश जाट, संजीव कुशवाह, दौलतराम गुप्ता, रामअवतार जोशी, रामभरत मीणा, दिनेश सिकरवार, प्रहलाद सेन, मोहम्मद चीनी कुरैशी, हंसराज रावत, जुगराज रावत, विजय शंकर मीणा, अधिवक्ता अरविंद जाट, ब्रजेश गहखार, घादा सिंह मीणा, जीवनलाल सुमन सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के हस्ताक्षर हैं।

उल्लास एक अभिनव प्रयोग के तहत महिला कर्मचारियों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

निज संवाददाता

शिवपुरी, 3 अगस्त 2026/ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के समन्वय से सोमवार को एडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर शिवपुरी में स्वास्थ्य पहल, क्षमता निर्माण सत्रों और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से महिला कर्मचारियों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी द्वारा माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश शिवपुरी श्री अशोक कुमार शर्मा सहित जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल से चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री आलोक श्रीवास्तव, डिप्टी चीफ श्री पवन कुमार चंदेल, श्री निखिल सक्सेना, असिस्टेंट, श्री नुपुर राठौर, श्री राधावल्लभ शर्मा एवं जिला न्यायालय शिवपुरी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की महिला कर्मचारीगण उपस्थित रही।

इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चात महिला कर्मचारियों का कैंसर हॉस्पीटल ग्वालियर से उपस्थित डॉ.अनीता अग्रवाल, डॉ.कोमल जादौन एवं उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क जांच की गई एवं सैंपल लिए गए। इस अवसर पर 45 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी द्वारा किया गया एवं आभार न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवपुरी श्री धर्मवीर सिंह राठौर के द्वारा व्यक्त किया गया।

चेहल्लुम त्योहार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की लगाई ड्यूटी

निज संवाददाता

शिवपुरी, कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री अर्पित वर्मा के निर्देशानुसार चेहल्लुम शरीफ त्योहार के दौरान 4 एवं 5 अगस्त को ताजियों के चल समारोह एवं विसर्जन तक शिवपुरी जिले में कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई गई है।

समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी अपने-अपने अनुभाग की कानून व्यवस्था के प्रभारी रहेंगे तथा अपने स्तर पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट, राजस्व निरीक्षक और पटवारियों की ड्यूटी लगाकर समय-समय पर स्थिति से अवगत कराते रहेंगे। थाना देहात क्षेत्र में संयुक्त कलेक्टर श्री अनुराग निंगवाल, प्रभारी तहसीलदार श्रीमती शिप्रा उपाध्याय एवं नायब तहसीलदार श्री अशोक श्रीवास्तव, थाना फिजीकल क्षेत्र में डिप्टी कलेक्टर श्री शिवदयाल धाकड़, प्रभारी तहसीलदार श्री अनिल धाकड़ एवं नायब तहसीलदार श्री प्रतिपाल तिवारी तथा थाना कोतवाली क्षेत्र में तहसीलदार श्री सिद्धार्थ भूषण शर्मा एवं प्रभारी तहसीलदार सुश्री कल्पना शर्मा अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे।

संपूर्ण शिवपुरी जिले में कानून व्यवस्था के प्रभारी अधिकारी अपर जिला मजिस्ट्रेट श्री दिनेश चंद्र शुक्ला रहेंगे। सभी कार्यपालिक मजिस्ट्रेट अपने-अपने अनुविभागीय दंडाधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे तथा समस्त अनुविभागीय दंडाधिकारी समय-समय पर जिला दंडाधिकारी को स्थिति से अवगत कराना सुनिश्चित करेंगे।

गुम हुए मोबाइल को ढूढ़ने में सफल रही सायबर पुलिस

40 मोबाइल कीमती (करीब 6 लाख) आवेदकों को किए सुपुर्द

निज संवाददाता

श्योपुर। पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान ने बताया कि जिले के विभिन्न थानान्तर्गत रहने वाले नागरिकों ने अपने मोबाइल फोन कहीं गुम हो जाने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये थे। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया एवं डीएसपी मुख्यालय श्री पी.एन. गोयल के नेतृत्व में सायबर सेल टीम को गुम हुए मोबाइल खोजने के निर्देश दिए गए थे। सायबर सेल टीम द्वारा विभिन्न जिलों व थाना क्षेत्रों से 40 मोबाइल अनुमानित कीमत करीब 6 लाख रुपये बरामद करने में सफलता प्राप्त की।

दिनांक 03.08.2026 को पुलिस कंट्रोल रूम श्योपुर में प्रेसवार्ता आयोजित की गई जिसमें

आवेदक अनिल मीणा नि. हिरनीखेड़ा, श्योपुर, गोपाल बैरवा निवासी बमूली गुसाई, शिवा मीणा निवासी फक्कड चौराहा, कृष्णा निवासी कलारना, कपिल बलोठिया नि. छारबाग, रामपाल मैरोठा निवासी बनवाडा, लेखराज बैरवा नि. वार्ड नं. 11 श्योपुर सहित अन्य 33 आवेदकों को उनके खोये हुए मोबाइल फोन सुपुर्द किये गए।

गुम मोबाईलों को खोजने का अभियान सायबर पुलिस टीम द्वारा सीईआईआर पोर्टल की सहायता से व अन्य तकनीकि माध्यमों से अन्य राज्यों व जिलों की पुलिस टीमों से समन्वय कर मोबाइल ढूंढने हेतु निरन्तर प्रयास किए जिसके फलस्वरूप 40 मोबाइल ढूँढे गए है। सायबर पुलिस टीम तहत अन्य प्राप्त आवेदनों पर भी कार्यवाही कर और मोबाइल खोजने के लिए प्रयासरत है।

अपील

श्योपुर पुलिस द्वारा सभी नागरिकों से अपील की जाती है कि भविष्य में किसी भी व्यक्ति का मोबाइल गुम होने पर गुम होने संबंधी शिकायतों को ष्टश्वद्धक्रक्कक्रञ्जरु पर रजिस्टर करें या नजदीकी पुलिस स्टेशन में सम्पर्क करें।

सराहनीय भूमिका

गुम मोबाइलों को ढूँढने सायबर सेल टीम आर. राजबल्लभ, आर. 487 योगेश शर्मा, म.आर.598 प्रियल पाठक, आर. 258 धर्मेन्द्र गुर्जर की अहम भूमिका रही।

अवैध रेत स्टॉक पर संयुक्त कार्रवाई, 1 हजार ट्रॉली रेत का विनष्टीकरण

निज संवाददाता

श्योपुर, कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के मार्गदर्शन में राजस्व एवं पुलिस विभाग द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए ग्राम् बड़ोदिया घाट तहसील बड़ौदा में स्टॉक कर रखी गई लगभग 1000 ट्रॉली रेत का विनिस्टीकरण करने की कार्यवाही की गई है।

एसडीएम श्री गगन सिंह मीणा के नेतृत्व में राजस्व और पुलिस विभाग की टीम द्वारा बडोदिया घाट पर स्टॉक में रखी गई अवैध रेत को जेसीबी के माध्यम से मिट्टी में मिलाकर खुदबुर्द करते हुए विनिष्टीकरण किया गया। इस अवसर पर तहसीलदार बड़ौदा श्री सुरेश राठौर, नायब तहसीलदार पंडोला, राजस्व निरीक्षक (आर.आई.) सहित राजस्व विभाग का अन्य अमला व बडौदा थाने की पुलिस टीम मौजूद रहें।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया कि जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध निरंतर प्रभावी कार्रवाई जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। आमजन से भी अपील की है कि अवैध खनन अथवा अवैध रेत भंडारण की जानकारी मिलने पर तत्काल प्रशासन को सूचित करें, ताकि समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान को लेकर सभी अधिकारी गंभीरता से करें कार्य

निगमायुक्त ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 - आगामी 7 अगस्त से 8 जनवरी 2027 तक मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान चलाया जाएगा। जिसके तहत सीएम हेल्प लाइन प्रकरण, जनसुनवाई एंव लोक सेवा गारंटी के प्रकरणों की समीक्षा होगी तथा उनका निराकरण किया जाएगा तथा अभियान के दौरान प्रत्येक शुक्रवार को सभी संबंधित अधिकारी अपने अपने क्षेत्र में भ्रमण कर समस्याओं का निराकरण करायेंगे। उक्ताशय के निर्देष नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने आज समय सीमा बैठक में विभागीय प्रकरणां की समीक्षा करते हुए एवं मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के क्रियान्वयन को लेकर आयोजित बैठक में दिए।

निगम मुख्यालय में आयोजित बैठक में अपर आयुक्त श्री प्रदीप तोमर एवं श्री मुनीष सिकरवार, उपायुक्त डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव, श्री सुनील चौहान सहित सभी संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक के दौरान निगमायुक्त श्री संघ प्रिय ने सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों की समीक्षा करते हुए सीएम हेल्प लाइन शिकायत को अटेंड नहीं करने पर 5 शिकायतें नोन अटेंडेंट रहने पर कार्यपालन यंत्री श्री राजीव सिंघल, 03 शिकायत नोन अटेंडेंट रहने पर क्षेत्राधिकारी श्री अभय तोमर, 02 शिकायत नोन अटेंडेंट रहने पर सहायक स्वास्थ्य अधिकारी श्री रामचन्द्र धोलपुरिया को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही यह भी निर्देष दिए कि जिनकी एक से अधिक शिकायतें नोन अटेंडेंट हैं उन्हें नोटिस जारी किए जाऐं। साथ ही 100 दिवस से अधिक की लंबिति षिकायतें रहने पर संबंधित अधिकारियों को व्यक्तिगत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देष दिए गए तथा सहायक नोडल जनकल्याण श्री प्रसांत बरैया एवं पीएचई लिपिक श्री संजय खेमरिया को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए गए। वहीं सड़क निर्माण की समीक्षा की गई तथा यह निर्देष दिए गए कि जो सडकें लगभग 80-85 प्रतिषत पूर्ण हो चुकी हैं उन्हें तत्काल पूर्ण कर कार्य समाप्त करें। साथ ही निर्माण कार्य में लापरवाही पर सहायक यंत्री श्री अमित गुप्ता को नोटिस जारी करने के निर्देष दिए गए। वहीं जल भराव वाले स्थानों की जानकारी ली तथा गतिशील कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देष दिए। इसके साथ ही नाला अतिक्रमण की समीक्षा करते हुए कहा कि जिन नालों पर अतिक्रमण के कारण यदि कहीं जल भराव हुआ तो संबंधित भवन अधिकारी की जिम्मेदारी होगी।

इसके साथ ही अवैध कॉलोनियों को लेकर कार्यवाही करने हेतु ड्राफ्ट तैयार करने के निर्देष दिए तथा जीर्ण शीर्ण भवन को लेकर की जा रही कार्यवाही की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा निर्देष दिए। वहीं स्वच्छता एप पर आने वाली शिकायतों के निराकरण को सभी संबंधित अधिकारियों से गंभीरता से निराकरण करने के निर्देष दिए। साथ ही सम्पत्तिकर की समीक्षा की तथा जीआईएस सर्वे को लेकर संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर जानकारी ली तथा भूमि आवंटन आदि प्रक्रिया को लेकर आवश्यक दिशा निर्देष दिए। वहीं पौधा रोपण को लेकर निर्देशित किया की तेज कार्यवाही करें, आगामी 8 अगस्त को हेरिटेज हिल पर वृहद पौधरोपण चलायें। इसके साथ ही अन्य बिंदुओं पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देष दिए।

कराहल पुलिस की कामयाबी, 7 दिन में चोरी का ट्रेक्टर-ट्रॉली बरामद

निज संवाददाता

श्योपुर। थाना कराहल पुलिस ने पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के निर्देशन में एक बार फिर अपनी त्वरित और प्रभावी कार्रवाई का परिचय दिया है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया और एसडीओपी बडौदा अवनीत शर्मा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक भारत सिंह गुर्जर की टीम ने महज सात दिनों के अंदर चोरी हुए सोनालिका ट्रेक्टर-ट्रॉली को जंगल से बरामद कर लिया।

दिनांक 27 जुलाई को बनार निवासी सुरेश पटेलिया ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 25-26 जुलाई की रात गुरुद्वारे के सामने नीलेश मंगल के घर के पास से उनका सोनालिका ट्रेक्टर (क्रमांक MP31ZB7435) ट्रॉली सहित चोरी हो गया। मामले में अपराध क्रमांक 82/26 धारा 303(2) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई।

विवेचना के दौरान 2 अगस्त को मिली मुखबिर सूचना पर पुलिस टीम ने शिवपुरी जिले के थाना पोहरी क्षेत्र के बिलकुची जंगल में दबिश दी। आरोपी मौके पर ट्रैक्टर-ट्रॉली छोड़कर भाग निकले। करीब 4.50 लाख रुपये कीमत का यह वाहन पुलिस ने जप्त कर लिया।

इस सफल कार्रवाई में निरीक्षक भारत सिंह गुर्जर के साथ उपनिरीक्षक बृजराज सिंह यादव, सउनि बृजेश राजौरिया तथा अन्य जवानों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालने पर वसूला जुर्माना

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 - शहर स्वच्छ व साफ रहे इसलिए गंदगी फैलाने वालों, अमानक पॉलीथिन, गोबर नालियों में बहाने वालों एवं भवन सामग्री सडक पर डालने वालों पर निगम द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है।

निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय के निर्देशानुसार गंदगी फैलाने वालों के खिलाफ जुर्माने की कार्यवाही निरंतर की जा रही है। जिसके तहत आज क्षेत्राधिकारी श्री सत्येन्द्र उपाध्याय के निर्देषन में वार्ड 65 लोहार की पुलिया बैंक के पीछे श्रीमती सपना सूरज केन द्वारा भवन निर्माण सामग्री सड़क पर डालकर यातायात अवरूद्ध करने पर 8000 रूपये का जुर्माना किया गया।

राजस्व कर संग्रहकों के कार्यों में किया फेरबदल

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 - कार्य सुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से राजस्व विभाग में राजस्व कर संग्रहकों के कार्यों में फेरबदल किया गया है।

अपर आयुक्त राजस्व द्वारा जारी आदेशानुसार सहायक वर्ग-2 श्री जगदीश बघेल को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 25, श्री रवि चौरसिया विनियमित को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 03, श्री संजय रजक विनियमित को फायर ब्रिग्रेड विभाग, श्री शिवकुमार गौतम विनियमित को राजस्व कर संग्रहक क्षेत्र क्रमांक 18 का दायित्व सौंपा गया है।

निगमायुक्त ने किया औचक निरीक्षण

संग्रहालय का 15 अगस्त तक कार्य पूर्ण करने के दिए निर्देष

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 - नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने सोमवार को निर्माणाधीन नगर निगम संग्रहालय, नगर निगम परिषद एवं क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देष दिए कि हर हाल में 15 अगस्त तक संग्रहालय का कार्य पूर्ण कर दिया जाए, जिससे इसे जल्द से जल्द आमजनों के अवलोकन के लिए खोला जा सके। निरीक्षण के दौरान अधीक्षण यंत्री श्री सुरेश अहिरवार, कार्यपालन यंत्री श्री पवन शर्मा, सहायक यंत्री श्री मनीष यादव, श्री विपिन दुबे, क्षेत्रीय अधिकारी श्री रविंद्र प्रताप सिंह गुर्जर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नगर निगम आयुक्त श्री संघ प्रिय ने संग्रहालय का निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को निर्देष दिए कि जल्द से जल्द सभी गैलरियों का कार्य पूर्ण कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि वह 15 अगस्त को फिर से संग्रहालय का निरीक्षण करेंगे तब तक कार्य पूर्ण हो जाना चाहिए। वहीं निर्माणाधीन परिषद भवन का निरीक्षण करते हुए उन्होंने अधिकारियों को निर्देष दिए कि अक्टूबर माह तक सिडयूल के हिसाब से परिषद हॉल एवं ग्राउंड फ्लोर का कार्य पूर्ण कर लिया जाए, जिससे परिषद की बैठक हो सके। इसके साथ ही अन्य कार्यों को तेज गति से करने के निर्देष दिए।

इसके बाद उन्होंने क्षेत्रीय कार्यालय क्रमांक 13 का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य में देरी को लेकर उन्होंने नाराजगी जताते हुए ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई के निर्देष दिए। उन्होंने वहां पर कर्मचारियों के हाजिरी रजिस्टर चेक किए, इस दौरान एक कर्मचारी अनुपस्थित मिला, उसे नोटिस जारी करने के निर्देष दिए। साथ ही उन्होंने सम्पत्तिकर आदि की जानकारी ली कि किस प्रकार सम्पत्तिकर को ऑनलाइन फीड किया जाता है।

लोक लेखा समिति की बैठक आयोजित

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 - लोक लेखा समिति की बैठक आज सोमवार को समिति के अध्यक्ष श्री अनिल सांखला की अध्यक्षता में नगर निगम, मुख्यालय में आयोजित की गई। बैठक में समिति के सदस्य श्री मनोज राजपूत, श्री महेन्द्र आर्य, श्रीमती अनीता रामू कुशवाह एवं अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा उपस्थित रहे।

बैठक में लेखा अधिकारी एवं अपर आयुक्त वित्त श्री अरविंद शर्मा से 01 अप्रैल 2026 से 31 जुलाई 2026 तक निर्माण तथा स्वच्छता मिषन अमृत योजना मरम्मत आदि पर किये गए व्यय तथा शासन से मिले अनुदान की जानकारी 7 दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देष दिए। इसके साथ ही बजट भुगतान एवं बजट शीर्ष में आदेष तथा निगम निधि जमा की जानकारी मांगी गई।

इसके साथ ही पूर्व की बैठक में जल प्रदाय मरम्मत एवं नालिकायें बिछाने, सीवर लाइन बिछाने एवं मरम्मत एवं सड़क मरम्मत से संबंधित दिनांक 01 जनवरी 2026 से 31 मार्च 2026 तक किये गए भुगतानों की जानकारी चाही गई। वांछित जानकारी 01 माह 8 दिन बाद भी अप्राप्त है। जिस पर समिति ने नाराजगी व्यक्त की तथा संबंधित को 7 दिवस में आवश्यक रूप से वांछित जानाकरी वार्ड वाइज अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने के निर्देष दिए।

नगर निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने दिव्यांग को दी मोटराइज्ड ट्राईसाइकिल

निज संवाददाता

ग्वालियर दिनांक 03 अगस्त 2026 -सभापति श्री मनोज तोमर के द्वारा दिव्यांग श्री आशीष शिवहरे को मोटराइज्ड ट्राई साइकिल एवं हेलमेट का वितरण किया गया। ट्राई साइकिल मिलने से दिव्यांग को बेहद खुशी हुई, क्योंकि दिव्यांग होने के कारण यह सभी जन चलने में लगभग असमर्थ थे। अब वह बिना किसी सहारे के एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

आमखो स्थित अपने निज निवास कार्यालय से नगर निगम परिषद के श्री मनोज तोमर द्वारा आज सोमवार को दिव्यांग श्री आशीष शिवहरे जो कि राष्ट्रीय स्तर के तैराक खिलाडी को ट्राई साइकिल का निशुल्क वितरण किया गया। मोटराइज्ड ट्राई साइकिल मिल जाने से अब बिना किसी के आश्रित हुए अपनी मर्जी से शहर में कहीं भी आ जा सकते हैं।

उल्लास एक अभिनव प्रयोग के तहत महिला कर्मचारियों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

निज संवाददाता

शिवपुरी, 3 अगस्त 2026/ मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय जबलपुर एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी के निर्देशन में तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी के समन्वय से सोमवार को एडीआर भवन जिला न्यायालय परिसर शिवपुरी में स्वास्थ्य पहल, क्षमता निर्माण सत्रों और सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से महिला कर्मचारियों हेतु विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश श्री राजेन्द्र प्रसाद सोनी द्वारा मॉ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर विशेष न्यायाधीश शिवपुरी श्री अशोक कुमार शर्मा सहित जिला मुख्यालय पर पदस्थ समस्त न्यायिक अधिकारीगण, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी, लीगल एड डिफेंस काउंसिल से चीफ लीगल एड डिफेंस काउंसिल श्री आलोक श्रीवास्तव, डिप्टी चीफ श्री पवन कुमार चंदेल, श्री निखिल सक्सेना, असिस्टेंट, श्री नुपुर राठौर, श्री राधावल्लभ शर्मा एवं जिला न्यायालय शिवपुरी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण शिवपुरी की महिला कर्मचारीगण उपस्थित रही।

इस अवसर पर कार्यक्रम का शुभारंभ पश्चात महिला कर्मचारियों का कैंसर हॉस्पीटल ग्वालियर से उपस्थित डॉ.अनीता अग्रवाल, डॉ.कोमल जादौन एवं उनकी टीम द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। जिसमें मुख्य रूप से ब्रेस्ट कैंसर एवं सर्वाइकल कैंसर की निशुल्क जांच की गई एवं सैंपल लिए गए। इस अवसर पर 45 महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। कार्यक्रम का कुशल संचालन सचिव श्रीमती रंजना चतुर्वेदी द्वारा किया गया एवं आभार न्यायिक मजिस्ट्रेट शिवपुरी श्री धर्मवीर सिंह राठौर के द्वारा व्यक्त किया गया।

एसपी मोती उर रहमान के कुशल नेतृत्व में मानपुर पुलिस को सफलता, दो इनामी फरार आरोपी गिरफ्तार

निज संवाददाता

श्योपुर। थाना मानपुर के अपराध क्रमांक 180/2024 धारा 363, 366, 34 भा.द.वि. में लंबे समय से फरार चल रहे दो इनामी आरोपियों को गिरफ्तार कर पुलिस ने एक और महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। यह उपलब्धि जिला पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान के स्पष्ट निर्देशों और प्रभावी नेतृत्व का ही परिणाम है।

मामला 27 जून 2024 का है, जब फरियादी श्याम की 17 वर्षीय पुत्री शिवानी केवट शौच के लिए गई थी और अज्ञात व्यक्ति द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाई गई। रिपोर्ट पर अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू हुई। 5 सितंबर 2024 को अपहृता को सुरक्षित बरामद कर लिया गया था तथा एक आरोपी मदनलाल केवट को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका था।

दोनों फरार आरोपी भगवान केवट (27) निवासी ग्राम सेवती थाना रवाजनाडूंगर जिला सवाई माधोपुर तथा भरतलाल मीणा (52) निवासी ग्राम झोपड़ा थाना चौथ का बरवाड़ा सवाई माधोपुर, जिन पर 2000-2000 रुपये का इनाम घोषित था, आज दिनांक 3 अगस्त 2026 को शासकीय कॉलेज श्योपुर के पास से गिरफ्तार किए गए।

एसपी मोती उर रहमान के मार्गदर्शन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक प्रवीण भूरिया तथा एसडीओपी राजीव गुप्ता के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार दुबे सहित पूरी टीम ने सक्रियता दिखाते हुए इस सफलता को अंजाम दिया।

एसपी मोती उर रहमान के नेतृत्व में श्योपुर पुलिस अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है, जिससे आम नागरिकों में सुरक्षा का माहौल और मजबूत हो रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे

ई टेंडर संख्याः PUJHS-DYCSTEJHS-2-2026 दिनांकः 01.08.2026

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभि./समन्वय/प्रोजेक्ट्/उत्तर मध्य रेलवे / प्रयागराज द्वारा ई-टेंडर के द्वारा पर्याप्त वित्तीक्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए सिंगल पैकेट सिस्टम पर खुली निविदा ई-निविदा में वर्णित खुलने के दिनांक को 15:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। यदि निविदा खुलने की तारीख पर अवकाश घोषित होता है या तकनीकी वजह से निविदा तय समय पर नहीं खुलती है तो निविदा अगले कार्यदिवस पर खोली जाएगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार हैः

कार्य का नामः	Reliability improvement by Provision of Dual Detection of Track circuit with Axle counter at MRA & RRU stations under Sr. DSTE/ML/JHS.
कार्य की अनुमानित लागतः	Rs. 83204221.55 Only
धरोहर राशिः	Rs. 1664100.00 (रूपये सोलह लाख चौंसठ हजार एक सौ मात्र)।
निविदा प्रपत्र राशिः	कुछ नही / कार्य पूरा करने की अवधिः 12 माह
निविदा प्रपत्रों की उपलब्धताः	टेंडर प्रपत्र वेब पोर्टल पर www.ireps.gov.in निविदा खुलने की तिथि से 23 दिन पहले उपलब्ध हो जायेंगे।
निविदा जमा करने की अंतिम तारीख एवं समयः	दिनांक 24.08.2026, 15:00 बजे
निविदा खुलने की अंतिम तारीख एवं समयः	दिनांक 24.08.2026, 15:00 बजे
निविदा खुलने का स्थानः	टेंडर वेब पोर्टल के माध्यम से www.ireps.gov.in, उप मुख्य सिग्नल एवं दूरसंचार अभि./प्रोजेक्ट्/झाँसी, डी.आर.एम. ऑफिस कार्यालय में खोली जाएगी।
ऑफर की वैधताः	खुलने की तिथि से 60 दिन तक।
निविदा डीलिंग हेतु रेलवे का अधिकारः	रेल प्रशासन को बिना कारण बताये कोई एक या सारी निविदाओं को स्थगित / संशोधित / निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है।

निविदा प्रपत्र एवं अन्य विवरण हेतु रेलवे की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर देखे जा सकते हैं। आमंत्रित निविदा में भाग लेने के लिए इच्छुक निविदाकारों को www.ireps.gov.in पर रजिस्ट्रेशन करना अनिवार्य है। विस्तृत विवरण वेबसाइट www.ireps.gov.in पर अवश्य देखें। निविदाकार उपरोक्त निविदा की धरोहर राशि यदि आवश्यक हुआ, केवल ऑनलाइन माध्यम से ही चुका सकते हैं। 1783/26 (PH)

North central railways @CPRONCR www.ncr.indianrailways.gov.in

कार्यालय नगर पालिका परिषद जौरा, जिला-मुरैना (म0प्र0)

E-mail:-cmojora@mpurban.gov.in

क्रमांक..2435..... जौरा, दिनांक... 3.08.2026

// विज्ञप्ति //

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद् जौरा द्वारा अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के तहत कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर निकाय स्वामित्व की नीचे लिखे अनुसार दुकानों पर नाम परिवर्तन कराने की मांग की गयी है। जो निममानुसार हैं :-

क्र. स.	दुकान क्र.	स्थान जहाँ दुकान स्थित है	आवेदक का नाम जिससे नाम दुकान परिवर्तन होना है	हस्तांतरणकर्ता का नाम	रिमार्क
1	2	3	4	5	6
1.	03	एम.एस.रोड	श्रीमती अनीता पत्नी श्री गजेंद्र सिंह सिकरवार निवासी:-वार्ड क्र.01 बगिया के पीछे जौरा	श्री भूपेंद्र सिंह सिकरवार पुत्र श्री सूबेदार सिंह सिकरवार निवासी:- वार्ड क्र.18 हारिकापुरी जौरा	
2.	21	नेहरू मार्केट	श्री आबिद बेग पुत्र श्री गफ्फार बेग निवासी:- वार्ड क्र.12 सविता गली	श्री गुलाब बेग पुत्र श्री मोहन बेग निवासी:- वार्ड क्र.12 सविता गली जौरा	फोटो

अत: जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त दुकानों एवं हॉल के नाम परिवर्तन के सम्बंध में कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिवस के अंदर नगर पालिका परिषद् जौरा कार्यालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। म्याद गुजरने के बाद प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
सूचित हो।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद् जौरा,मुरैना

General Admin 4101

कार्यालय नगर पालिका परिषद जीरा, जिला-मुरैना(म०प्र०)

E-mail:-cmojora@mpurban.gov.in

क्रमांक...2434..... जीरा, दिनांक...03.08.2026

//विज्ञप्ति//

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद जीरा द्वारा अचल सम्पत्ति अंतरण नियम 2016 के तहत कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर निकाय स्वामित्व की नीचे लिखे अनुसार दुकानों पर नाम परिवर्तन कराने की मांग की गयी है। जो निम्नानुसार हैं :-

क्र.	दुकान क्र.	स्थान जहाँ दुकान स्थित है	आवेदक का नाम जिससे नाम दुकान परिवर्तन होना है	हस्तांतरण कर्ता का नाम	रिमार्क
1	2	3	4	5	6
1.	03	एम.एस.रोड	श्रीमती अनीता पत्नी श्री गजेंद्र सिंह सिकरवार निवासी:-वार्ड क्र.01 बगिया के पीछे जौरा	श्री भूपेंद्र सिंह सिकरवार पुत्र श्री सूबेदार सिंह सिकरवार निवासी:- वार्ड क्र.18 द्वारिकापुरी जौरा	
2.	21	नेहरू मार्केट	श्री आविद बेग पुत्र श्री गफ्फार बेग निवासी:- वार्ड क्र.12 सविता गली	श्री गुलाब बेग पुत्र श्री मोहन बेग निवासी:- वार्ड क्र.12 सविता गली जौरा	फोटी

अत: जिस किसी व्यक्ति को उपरोक्त दुकानों एवं हॉल के नाम परिवर्तन के सम्बंध में कोई आपत्ति हो तो वह 15 दिवस के अंदर नगर पालिका परिषद जीरा कार्यालय में उपस्थित होकर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। म्याद गुजरने के बाद प्रकरण में एक पक्षीय कार्यवाही की जावेगी।
सूचित हो।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद जौरा,मुरैना

मप्र के उज्जैन में नगर भ्रमण पर निकले बाबा महाकाल, चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दिए दर्शन

उज्जैन, 03 अगस्त (हि.स.)। मध्य प्रदेश के उज्जैन में श्रावण-भाद्रपद मास में निकलने वाली सवारियों के क्रम में सावन के पहले सोमवार को विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकाल की पहली सवारी धूमधाम से निकाली गई। इस दौरान भगवान महाकाल चांदी ने पालकी में विराजमान होकर नगर भ्रमण कर अपनी प्रजा का हाल जाना। इस दौरान बाबा महाकाल ने चंद्रमौलेश्वर स्वरूप में भक्तों को दर्शन दिए।

इससे पूर्व महाकाल मंदिर में बाबा का जल, दुग्ध और पंचामृत (दूध, दही, घी, शक्कर, शहद और फलों का रस) से अभिषेक कर दिव्य श्रृंगार किया गया। इस पावन अवसर पर तीन लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने मंदिर में दर्शन कर पुण्य लाभ कमाया। 'वैदिक उद्घोष' की विशेष थीम पर आधारित इस पहली सवारी में सैकड़ों वेदपाठी बटुकों के मुख से गूंजती वैदिक ऋचाओं ने पूरी तीर्थपुरी में आध्यात्मिक चेतना का संचार किया।

महाकालेश्वर मंदिर में परंपरा के अनुसार दोपहर 3:30 बजे कलेक्टर रौशन कुमार सिंह ने भगवान के रजत मुखारविंद का पूजन कर पालकी को रवाना किया, जिसके बाद मुख्य द्वार पर पुलिस बल की टुकड़ी ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया। इसके बाद शाम 4 बजे महाकाल की सवार मंदिर से रवाना हुई, जो सवारी कोट मोहल्ला, गुदरी, कहारवाड़ी होकर मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंची, जहां आशीष पुजारी ने बाबा महाकाल का पवित्र शिप्रा जल से विधि-विधान के साथ पूजन और अभिषेक किया। इस दौरान बाबा के दर्शन के लिए घाटों पर हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। पूजन के बाद गणगौर दरवाजा, छत्रीचौक, गोपाल मंदिर और पटनी बाजार होते हुए शाम 7 बजे पुनः मंदिर लौटी।

बाबा महाकाल की सवारी के दौरान पांच किलोमीटर लंबा मार्ग झांझ-डमरू, भजन मंडलियों, आदिवासी लोकनृत्यों और श्रद्धालुओं की पुष्पवर्षा से सराबोर रहा। लाखों की भीड़ को देखते हुए पुलिस-प्रशासन ने सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के कड़े इंतजाम किए थे। सुरक्षा व्यवस्था में 3 एएसपी, 23 डीएसपी/सीएसपी, 32 निरीक्षक, 85 एसआई सहित 1200 से अधिक पुलिसकर्मी और 500 से अधिक वालंटियर्स तैनात रहे।

सवारी मार्ग पर 100 से अधिक सीसीटीवी कैमरों और 5 ड्रोन से हवाई निगरानी की। महाकाल घाटी, गुदरी चौराहा, कहारवाड़ी, हरसिद्धि की पाल, रामानुज कोट, छत्रीचौक और गोपाल मंदिर जैसे प्रमुख प्रेशर पाइंटों पर अतिरिक्त पुलिस बल और बैरिकेडिंग की गई थी। इसके अलावा संवेदनशील इमारतों की छतों पर दूरबीन के साथ जवान तैनात रहे।

'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त तक

14 अगस्त को मनाया जायेगा विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस

निज संवाददाता

भोपाल / मध्यप्रदेश में हर घर तिरंगा अभियान 9 से 17 अगस्त, 2026 तक संपूर्ण जन सहभागिता से चलाया जायेगा। सामान्य प्रशासन विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री शिवशेखर शुक्ला ने सभी संभागायुक्त और कलेक्टर्स को तत्संबंधी निर्देश जारी किए हैं। कलेक्टर्स से कहा गया है कि इस अभियान में जनसामान्य को विगत वर्षों की तरह उत्साह और देशभक्ति के साथ स्वाधीनता दिवस मनाने एवं 14 अगस्त को विभाजन विभीषिका स्मृति दिवस मानने के लिए सहभागिता सुनिश्चित करें। इस दौरान देशभक्ति से ओतप्रोत शासकीय कार्यक्रम/चर्चाएँ जैसे आयोजन किए जाएंगे।राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' के 150 वर्ष पूरे होने के जश्न को'हर घर तिरंगा अभियान 2026' के साथ जोड़ा गया है।

'हर घर तिरंगा' अभियान 9 से 17 अगस्त 2026

प्रदेश में यह जन-आंदोलन 9 से 17 अगस्त 2026 की तिथियों में पूरी जनभागीदारी के साथ संचालित किया जाएगा।सभी जिलों में तिरंगा से प्रेरित कला, तिरंगा प्रदर्शनी का प्रदर्शन, तिरंगा रंगोली, तिरंगा बुनाई, तिरंगा पर प्रश्नोतरी, तिरंगे के लिए स्वयं सेवा, तिरंगा सजावट और प्रकाश व्यवस्था तथा सैन्य बलों के जवानों और पुलिसकर्मियों को 'पत्र लेखन' जैसे कार्यक्रम तथा तिरंगा संगीत कार्यक्रम और नुक्कड़ नाटकों का आयोजन किया जायेगा।

हितग्राही को हक की सौ प्रतिशत राशि मिले, यह प्रधानमंत्री श्री मोदी के शासन में ही संभव : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

नौकरियां पाने के साथ स्वावलंबन का रास्ता अपनाएं युवा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिभाशाली बेटियों को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप की राशि प्रदान की

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि एक समय था जब देश के एक प्रधानमंत्री ने कहा था कि दिल्ली से जारी सरकार की राशि का सिर्फ 15 प्रतिशत जनता तक पहुंचता है। एक अन्य प्रधानमंत्री जो पूर्व में वित्त मंत्री और रिजर्व बैंक के गवर्नर भी रहे वे डीबीटी जैसी व्यवस्था लागू करने के पक्ष में नहीं थे। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने शून्य बैलेंस पर बैंक खाते प्रारंभ करवाने की पहल की। आज हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं में मिलने वाली राशि का 100 प्रतिशत आसानी प्राप्त हो रहा है। यह सरकारों के संचालन का फर्क है। कार्यक्रम में मंत्री श्री विश्वास सारंग उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एक टीवी न्यूज चैनल द्वारा जिलों की टॉपर और अन्य प्रतिभाशाली छात्राओं को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप अंतर्गत प्रोत्साहन राशि प्रदान की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीमित साधनों के बीच जिन बेटियों ने अपनी प्रतिभा से टॉपर होने में सफलता प्राप्त की है, उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, कम है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सम्मानित की जा रही बेटियों और उनके अभिभावकों को हार्दिक बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में विद्यार्थियों को प्राप्त सफलता राज्य की उपलब्धि है। यह विद्यार्थी आगे चलकर सिर्फ नौकरी ना करें बल्कि अपने उद्योगों की स्थापना के लिए प्रेरित हों। हमारे देश में प्राचीन काल से स्वावलंबन की परंपरा रही है। स्व-अनुशासन से कार्य करते हुए अपने परिश्रम से व्यक्ति सफल होता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर टीवी चैनल प्रतिनिधि द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब भी दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने विद्यार्थियों से आहवान किया कि वे नौकरी प्राप्त करने की ललक के साथ ही अपने उद्यम स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ें। मध्यप्रदेश की आबादी के मान से सेवा करने वाले संख्या कुछ लाख ही है जबकि अधिकांश आबादी अपने व्यापार व्यवसाय से जुड़ी है। आजीविका का साधन स्वयं निर्मित कर जीवन को आसान बनाया जा सकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश सरकार द्वारा विभिन्न सेवाओं में बहनों को दिए जा रहे आरक्षण, संपत्ति की रजिस्ट्री में दी जा रही छूट और उद्योगों में बहनों को आरक्षण के संबंध में जानकारी दी।

एआई से किसी को खतरा नहीं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है। एक राष्ट्र, एक प्रधान, एक निशान की तरह एक कानून होना चाहिए। एक प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एआई से किसी को खतरा नहीं है। प्रत्येक नवाचार का प्रारंभ में विरोध होता है। बाद में उसे अंगीकार किया जाता है। भारत का टैलेंट नवाचार करने और स्वयं एवं राष्ट्र के विकास के लिए संकल्पबद्ध है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश की टॉपर बेटी चांदनी विश्वकर्मा खुशी राम सहित विभिन्न जिलों की टॉपर बेटियों को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप प्रदान की। निजी टीवी चैनल की ओर से श्री नरेंद्र गोयल ने स्वागत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में मीडिया प्रतिनिधि, विद्यार्थी और उनके अभिभावक उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स वैश्विक मानचित्र में स्थापित करेगा नई पहचानः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

निज संवाददाता

भोपाल / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि भोपाल के नाथू बरखेड़ा में विकसित हो रहा अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स प्रदेश की अब तक की सबसे बड़ी और सबसे महत्वाकांक्षी खेल अधोसंरचना विकास परियोजनाओं में से एक है। इससे मध्यप्रदेश में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर की स्पर्धाएं होंगी, जिससे भोपाल खेलों के वैश्विक मानचित्र में अपनी नई पहचान कायम करेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 985.76 करोड़ रुपये की लागत से 136.296 एकड़ क्षेत्र में विकसित हो रहा यह अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स परिसर मध्यप्रदेश को देश का स्पोर्ट्स हब बनाने में मील का पत्थर साबित होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को नाथू बरखेड़ा स्थित अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स (खेल परिसर) में निर्माणाधीन कार्यों का मुआयना किया। इस मौके पर खेल एवं युवा कल्याण तथा सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, मध्यप्रदेश युवा आयोग के अध्यक्ष श्री प्रवीण शर्मा, सचिव खेल श्री संजीव सिंह, संचालक खेल श्री अंशुमन यादव सहित अन्य अधिकारी एवं खिलाड़ी उपस्थित थे।

सिंथेटिक हॉकी टर्फ़

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी सिंथेटिक टर्फ़ का मुआयना किया। खेल मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इस कॉम्पलेक्स में पहले चरण में मानकों का 5 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित हॉकी स्टेडियम एवं सिंथेटिक हॉकी टर्फ़ का निर्माण किया गया है। खेल विभाग को जल्द ही इसका आधिपत्य मिल जाएगा। इसी सिंथेटिक टर्फ़ पर इसी साल अक्टूबर-नवम्बर में एशियन महिला हॉकी चैंपियनशिप आयोजित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने विभागीय अधिकारियों को समय से पूर्व एशियन चैम्पियनशिप की सभी तैयारियां पूरी कर लेने के निर्देश दिए हैं। बताया गया कि इस स्पोर्ट्स कॉम्पलेक्स में दो कन्वेंशन सेंटर भी स्थापित किए जा रहे हैं।

सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सिंथेटिक एथलेटिक्स ट्रैक का मुआयना कर खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही सुविधाओं एवं निर्माण कार्यों की जानकारी ली। खेल मंत्री श्री सारंग ने बताया कि इंटरनेशनल एथलेटिक्स फेडरेशन और एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के सभी मानकों के आधार पर 10 हजार की क्षमता वाले पेवेलियन सहित अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धाओं के लिए एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रैक का निर्माण किया जा रहा है। इस ट्रैक के केन्द्र स्थल पर फुटबॉल स्टेडियम निर्मित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने यहां खिलाड़ियों और दर्शकों के लिए समान रूप से सुविधाएं विकसित करने के निर्देश दिए।

अंतर्राष्ट्रीय स्पोर्टस कॉम्पलेक्स, नाथू बरखेड़ा के बारे में

प्रदेश को स्पोर्ट्स हब बनाने के लिए भोपाल स्थित नाथू बरखेड़ा में 136.296 एकड़ भूमि पर अंतर्राष्ट्रीय स्तरीय स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य 3 चरणों में किया जा रहा है।

पहले चरण में एथलेटिक स्टेडियम (एथलेटिक्स सिंथेटिक ट्रेक मय पेवेलियन-1000 दर्शक क्षमता, वार्मअप ट्रेक मय) एवं हॉकी स्टेडियम (हॉकी सिंथेटिक टर्फ मय पवेलियन व प्रेक्टिस फील्ड) का निर्माण किया जा रहा है।

"एक जिला एक उत्पाद" योजना के तहत मुरैना से आलू एवं कालीन शिल्प के प्रस्ताव शासन को भेजे जाएंगे

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में हुई बैठक, ओडीओपी उत्पादों के चयन पर बनी सहमति

निज संवाददाता

मुरैना, 03 अगस्त 2026/मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (एमपीआईडीसी) मुख्यालय से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में ''एक जिला एक उत्पाद'' (ओडीओपी) योजना के अंतर्गत जिले के उत्पादों के अंतिम निर्धारण एवं शासन को सुझाव प्रेषित किए जाने के संबंध में कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न विभागों से प्राप्त सुझावों एवं जिले की स्थानीय विशेषताओं, उत्पादन क्षमता तथा विपणन संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। चर्चा उपरांत सर्वसम्मति से कालीन शिल्प को जिले के द्वितीयक ओडीओपी उत्पाद तथा आलू को तृतीयक ओडीओपी उत्पाद के रूप में चयनित कर शासन को प्रस्ताव भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में बताया गया कि जिले के प्राथमिक ओडीओपी उत्पाद के रूप में कृषि विभाग के माध्यम से सरसों एवं उससे निर्मित उत्पाद पूर्व से ही चिन्हित हैं।

निर्णय के अनुसार कालीन शिल्प से संबंधित प्रस्ताव कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग तथा आलू से संबंधित प्रस्ताव उद्यानिकी विभाग के माध्यम से शासन को प्रेषित किए जाएंगे। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि ओडीओपी योजना के माध्यम से स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहन, विपणन के बेहतर अवसर, मूल्य संवर्धन तथा रोजगार सृजन को नई गति मिलेगी, जिससे जिले की आर्थिक गतिविधियों को भी मजबूती प्राप्त होगी।

बैठक में उप संचालक पशुपालन डॉ. बी.के. शर्मा, महाप्रबंधक उद्योग श्री अरविन्द माहेश्वरी, ग्रामोद्योग के सहायक संचालक श्री जगदीश यादव, मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लिमिटेड के श्री अभिषेक भारद्वाज सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 4 अगस्त को

कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जागिड़ करेंगे अध्यक्षता, जल जीवन मिशन के कार्यों की होगी विस्तृत समीक्षा

निज संवाददाता

मुरैना, 03 अगस्त 2026/कलेक्टर श्री लोकेश कुमार जांगिड़ की अध्यक्षता में जिला जल एवं स्वच्छता मिशन की बैठक 4 अगस्त 2026 को शाम 5:30 बजे कलेक्ट्रेट सभागार, मुरैना में आयोजित की जाएगी। बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिले में संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता तथा क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की जाएगी।

बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत, संभागीय वन अधिकारी, परियोजना निदेशक आईटीडीपी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला शिक्षा अधिकारी, कार्यपालन यंत्री जल संसाधन विभाग, जिला कृषि अधिकारी, जिला जनसंपर्क अधिकारी, महाप्रबंधक परियोजना क्रियान्वयन इकाई (मध्यप्रदेश जल निगम), सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, संबंधित अनुविभागीय अधिकारियों (राजस्व) सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, मुरैना के कार्यपालन यंत्री द्वारा जारी पत्र के अनुसार बैठक में जल जीवन मिशन के अंतर्गत संचालित कार्यों की प्रगति एवं गुणवत्ता की समीक्षा के साथ विभिन्न विभागों के मध्य समन्वय, कार्यों में आ रही चुनौतियों तथा उनके प्रभावी निराकरण पर भी चर्चा की जाएगी। साथ ही मिशन के प्रभावी एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए जाएंगे।

'संघ प्रार्थना : गीता के परिप्रेक्ष्य में' पुस्तक का लोकार्पण सम्पन्न

नई दिल्ली, 03 अगस्त (हि.स.)। सुरुचि प्रकाशन द्वारा प्रकाशित डॉ. मार्कंडेय आहूजा की पुस्तक 'संघ प्रार्थना = गीता के परिप्रेक्ष्य में' का सोमवार को नई दिल्ली स्थित विचार विनिमय न्यास सभागार, केशव कुंज, झंडेवाला में लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह-सरकार्यवाह डॉ. कृष्ण गोपाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे, जबकि प्रख्यात गीता मनीषी एवं जीओ गीता के संस्थापक स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने अपना आशीर्वचन प्रदान किया।

अपने उद्बोधन में डॉ. कृष्ण गोपाल ने भारतीय चिंतन की परंपरा गीता के सार्वकालिक संदेश और राष्ट्रजीवन में प्रार्थना के महत्त्व पर विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गीता ने विश्व के सामने एक नवीन प्रकार का दर्शन प्रस्तुत किया है। गीता मनुष्य को उसके कर्तव्य का बोध कराती है। उन्होंने कहा कि लेखक ने पुस्तक की कुछ पंक्तियों के माध्यम से उस भाव को जागृत करने का प्रयास किया है, जिसकी आज आवश्यकता है। जिस प्रकार भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन के मोह का निवारण किया था, उसी प्रकार यह पुस्तक स्वयंसेवकों के मन में कर्तव्य और राष्ट्रभाव को जागृत करने का कार्य करेगी।

स्वामी ज्ञानानन्द महाराज ने उपस्थित जनों को गीता के संदेश को अपने जीवन में आत्मसात करने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि संघ की प्रार्थना का मूल भाव गीता के संदेश से ही प्रेरित है और उसका उद्देश्य मन पर पड़े अज्ञान के आवरण को दूर करना है। उन्होंने इस संदर्भ में सूर्य और बादलों का उदाहरण देते हुए कहा कि सत्य सदैव विद्यमान रहता है, आवश्यकता केवल उसके आवरण को हटाने की होती है। अपने आशीर्वचन के अंत में उन्होंने उपस्थित सभी लोगों से सामूहिक प्रार्थना कराई तथा लेखक और प्रकाशक को शुभकामनाएँ दीं।

इस अवसर पर पुस्तक के लेखक डॉ. मार्कंडेय आहूजा ने पुस्तक की रचना-प्रक्रिया और उसके मूल उद्देश्य पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संघ प्रार्थना केवल कुछ शब्दों का समूह नहीं है, बल्कि वह भारतीय जीवन-दृष्टि, राष्ट्रचेतना, कर्तव्यबोध और आध्यात्मिक मूल्यों का सजीव घोष है। उन्होंने यह भी बताया कि पुस्तक में भगवद्गीता के आलोक में संघ प्रार्थना के विविध आयामों का विश्लेषण प्रस्तुत किया गया है।

कार्यक्रम की शुरुआत में सुरुचि प्रकाशन के प्रबंध निदेशक रजनीश जिंदल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सुरुचि प्रकाशन की साहित्यिक यात्रा पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देशभर के 150 से अधिक पुस्तक-विक्रय केंद्रों और ऑनलाइन माध्यमों के द्वारा विभिन्न विषयों पर आधारित 600 से अधिक शीर्षक पाठकों के लिए उपलब्ध हैं।

कार्यक्रम के अंत में सुरुचि प्रकाशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अंकुर पाठक ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर सुरुचि प्रकाशन के अध्यक्ष राजीव तुली, न्यासी मनमोहन सिंह, सुमित मालूजा और राहुल सिंह सहित शिक्षा, साहित्य, अध्यात्म तथा सामाजिक जीवन से जुड़े अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। अतिथियों ने पुस्तक की विषयवस्तु की सराहना करते हुए इसे भारतीय चिंतन को समझने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कृति बताया।

कचरा डालने के विवाद में महिला के साथ मारपीट, पेड़ से बांधा

निज संवाददाता

मुरैना के निरार थाना क्षेत्र के गांव बलालपुर में गोबर डालने के विवाद को लेकर महिलाओं ने एक महिला के साथ मारपीट की और उसे नीम के पेड़ से बांध दिया। बचाने आए बेटे को भी पीटकर घायल कर दिया गया गांव निवासी सीमा कुशवाह ने राजेन्द्र के घर के सामने गोबर डाल दिया था। इसी बात पर महादेवी, नीतू और रूमाली कुशवाह ने आपत्ति जताई। दोनों पक्षों में जगह को लेकर बहस शुरू हो गई, जिसके बाद आरोपी महिलाओं ने गालियां देते हुए सीमा की लाठी और लात-घूंसों से पिटाई कर दी इतना ही नहीं, महिलाओं ने सीमा को पकड़कर नीम के पेड़ से बांध दिया। शोर सुनकर जब उसका बेटा रंजीत अपनी मां को बचाने दौड़ा, तो बीच-बचाव करने आए रंजीत के साथ भी राजेन्द्र और कमल कुशवाह ने मारपीट की, जिससे वह घायल हो गया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।